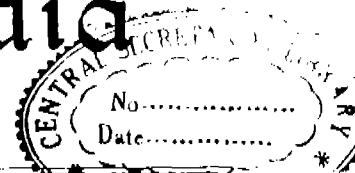




# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



[सं० २०] नई दिल्ली, शनिवार, मई १५, १९७६ (बैशोख २५, १८९८)

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 15, 1976 (VAISAKHA 25, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महान्यायापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अप्रैल 1976

सं० ए० ३२०१४/१/७४-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्गी में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का घेड ग) सर्वश्री आर० एल० ठाकुर और के० सुन्दरम को, जिन्हें समसंबद्ध आवेदन दिनांक 17 जनवरी, 1976 द्वारा २९-२-७६ तक पूर्णतः तदर्थ आधार में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए मियुक्त किया गया था, अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १-३-१९७६ से ३१-३-१९७६ तक एक मास की अतिरिक्त प्रबंधि के लिए अधिकारी आवासी आदेशों तक जो भी पहले हो, उसी हैसियत से पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने के लिए अनुमति प्रदान की गई है।

प्र० ना० मुख्यी  
अध्यक्ष सचिव,  
कृते अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक अप्रैल 1976

सं० ई० २८०१३/६/७५-प्रशा०-१—मूल नियम ५६ (जे) के अधीन समय पूर्व सेवा से निवृत्त किए जाने पर, श्री एन० सी० चौधरी, ने दिनांक ३ मार्च ७६ के अपराह्न से केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारी इंजीनियरी निगम लि०, रांची के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट  
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय  
नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1976

सं० ११/६/७५-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, सर्वश्री एन० जोगेन्द्र सिंह, य०० एस० वर्मा, सी० डी० भट्ट और एस० एल० बहूल को १ मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से जनगणना कार्य के सहायक निदेशक के रूप में स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० 10/6/75-प्रश्ना० एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजी-कार के कार्यालय में सहायक निदेशक (आंकड़े उपयोगीकरण) श्री एस० एन० चतुर्वेदी को तारीख 24 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में उप-निदेशक (आंकड़े उपयोगीकरण) के पद पर नियमित रूप से और अस्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एन० चतुर्वेदी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

रा० भ० चारी

भारत के महापंजीकार और  
भारत सरकार के पदन संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० पी० एफ० पीडी० 1—चूंकि श्री जैय पीटर, सहायक कार्य प्रबन्धक दिनांक 15-4-76 से 16-5-76 तक 32 दिन के अंतर्जाल अवकाश पर जा रहे हैं, श्री पी० पी० शर्मा, फोरमैन प्रोडक्शन को रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के बेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रा० विश्वनाथन  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० प्रशासन II/जी० ग० न०—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके आगे दी हुई तिथियों से अग्रेतर आदेशों के जारी होने तक हसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है:—

क्रमांक	नाम	तिथि	जब से
		स्थानापन्न	लेखा-धिकारी किया गया
<b>सर्वश्री</b>			
(1)	कुण्ठ मोहन स्वरूप भार्गवा	4-2-76 (पूर्वाह्न)	
(2)	अध्य विहारी लाल भट्टाचार्य	11-3-76 (पूर्वाह्न)	
(3)	अमर चन्द काला	12-3-76 (पूर्वाह्न)	

ह० अपठीन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन) राजस्थान,  
जयपुर

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

(स्थानीय लेखा शाखा)

स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

रांची, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० एल० ए० य० पी०-ऐस्ट० I/96—महालेखाकार, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थानीय अंकेक्षण प्रशासन के श्री वरीन्द्र नाथ राहा अनुभाग अधिकारी (अंकेक्षण) को दिनांक 8 अप्रैल 1976 पूर्वाह्न से भगले भादेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

स० वि० द० कैंपे  
स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० 169/ए० ए० प्रशासन/130/75-76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त करने पर श्री के० एल० कोहली, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31 मार्च 1976 (उपराह्न) लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत हुए।

गिरिजा ईश्वरन  
वरिष्ठ उप निदेशक  
लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आईनैन्स फैक्टरिया,  
भारतीय आईनैन्स फैक्टरी सेवा,  
कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1976

सं० 26/जी० 76—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर, उसके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:—

श्री डी० के० गुप्ता स्थायी फोरमैन, 24 नवम्बर 1975।

एम० पी० प्रार० पिलाय  
सहायक महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात नियर्ति का कार्यालय  
आयात और नियर्ति नियंत्रण  
(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० 6/884/69-प्रश्ना० (जी०)—सेवा निवृति की आयु प्राप्त होने पर, श्री के० आर० कुण्ठ माचारी ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियर्ति के कार्यालय, मद्रास में 29 फरवरी, 1976 के दोपहर बाद नियंत्रक, आयात-नियर्ति के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० के० कौल  
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

## वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 9 अप्रैल 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(394)—श्रीमान् राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के निदेशक (अर्थशास्त्र) डा० मरयूर सुन्दरेश श्रीनिवासन, जो 23-9-1968 के अपराह्न से 29-6-1972 अपराह्न तक एशियन डेवलपमेंट बैंक, मनीला में प्रतिनियुक्त थे, के स्थागपत्र को 30 जून 1972 के पूर्वाह्न से सहर्ष स्वीकृत करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-1-2(521)—श्रीमान् राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (परिव्ययांकन) श्री सुभाष रंजन राय को 16 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में उप-निदेशक (परिव्ययांकन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अप्रैल 1976

सं० ई० एस० टी०-1-2(655)—श्रीमान् राष्ट्रपति, 7 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री जोसेफ चंद्रशेखर हन्सडक को वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई में उप-निदेशक (नान-टेकनीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्रपाल कपूर  
वस्त्र आयुक्त

बम्बई 400020, दिनांक 25 मार्च 1976

सं० 18(1)/73-75/सी० एल० बी०-II—वस्त्र (शक्ति-चलित करथों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रधोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी एल० बी० 11/बी० दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम सं० 20 (बी) (i) के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात्:—

“संयुक्त निदेशक”

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई 400020, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० ई० एस० टी०-1-2 (636)—वस्त्र आयुक्त ने 25 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से श्रीपंडीरानाथ वामोदरकेणी का सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (पी० और झी०) के पद से तकनीकी अन्वेषक के रूप में परावर्तन स्वीकृत किया है।

कां० रा० मीलकंठन  
उप निदेशक

## विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में—

श्रेणी 2 के अधीन-नायट्रेट मिक्सचर

(i) “फर्माइंट” की प्रविष्टि में संख्या “1976” के स्थान पर संख्या “1977” प्रतिस्थापित की जाएगी।

(ii) “फर्माजील” की प्रविष्टि में संख्या “1976” के स्थान पर संख्या “1977” प्रतिस्थापित की जाएगी।

वर्ग 3 के अन्तर्गत-प्रभाग 1 के अन्तर्गत

(iii) “अल्काजेस्स प्रौर अल्काप्रूफ” की प्रविष्टि में शब्द और संख्या “31 मार्च, 1976” के स्थान पर शब्द और संख्या “30 सितम्बर, 1976” प्रतिस्थापित की जाएगी।

इंगुष्ठ नरसिंह मूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

## इस्पात और खान भेंतालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 8 अप्रैल 1976

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त अधिकारियों की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर, तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से, आगामी आदेश होने तक, नियमित किया जाता है।

1. श्री ए० के० मुखर्जी—12-12-1975 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० राजगोपालन—12-12-1975 (पूर्वाह्न)
3. श्री बी० साहा—12-12-1975 (पूर्वाह्न)
4. श्री ए० चक्रवर्ती—5-1-1976 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त अधिकारियों की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तब्दील नीचे दर्शाई तिथि से की गई थी:—

1. श्री ए० के० मुखर्जी—11-11-1974
2. श्री आर० राजगोपालन—16-8-1974
3. श्री बी० साहा—13-5-1975
4. श्री ए० चक्रवर्ती—5-5-1975

सं० 2222 (बी० के० एस०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री विजय कुमार सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-

880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आवेश होने तक 4 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० बरदन  
महा निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1976

शुद्धिन्पत्र

सं० ए०-31014/2/75-एस०-6—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० ए-31014/2/75-एस०-6 दिनांक 27-2-76 के कालम-3 में दी गई क्रम संख्या 1 के सामने बतलाए गए प्रशासनिक अधिकारी के स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ) पढ़ा जाए।

आर० देवासर  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1975

सं० 35-4/72-एडमिन०-1(पार्ट०-2)—शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय को प्रत्यार्थीन के फलस्वरूप डा० ए० बी० विश्वास ने 28 फरवरी, 1976 के अपराह्न को भारत के सैरालोजिस्ट तथा कैमिकल एक्जामिनर विभाग, कलकत्ता में जीव-रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० 38-12/74-सी० एच० एस०-1—विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता में दमदम के हवाई पत्तन औषधालय को अपने तबादले के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ०-1 के एक अधिकारी डा० एन० सी० बर्मन ने 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अन्तर्गत जी० डी० ओ०-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी  
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

कार्यालय प्रधान अधिकारी सीधी  
प्रकाश्ट निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना  
देहरादून, दिनांक 25 मार्च 1976

सं० 6-178/75-नौ० प्रौ०—निदेशक, प्रकाश्ट निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, श्री के० आर० सिंह, अतिरिक्त

सहायक वन संरक्षक वन विभाग मध्य प्रदेश सरकार को दिनांक 22-3-76 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश जारी होने तक प्रकाश्ट निष्कासन केन्द्र परियोजना, देहरादून (उत्तर प्रदेश) में अस्थाई रूप से प्रकाश्ट निष्कासन अनुदेशक, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

रमेश चन्द्र  
प्रधान अधिकारी सीधी  
अधिकारी

(प्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1976

सं० फा० 3(13) 52/75 वि० II—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954, सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर, 1954, और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी 1961, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा श्री घनश्याम सिंह, उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी, को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से ऊन, दृढ़लोम और बकरी के बाल, जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चित्त नियम, 1975 दृढ़लोम श्रेणीकरण और चित्तन (संशोधन) नियम, 1973 और बकरी के बाल श्रेणीकरण और चित्त (संशोधन) नियम, 1962 के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका नियत उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उपल  
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक विभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 9 अप्रैल 1976

सं० 5/1/76/स्थापना-II/521—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दिए हुए काल के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

1, श्री चितामण वासुदेव पेंड्से—23-1-76 (अपराह्न) से  
24-3-76 (पूर्वाह्न) तक।

2. श्री वदसेरिल अन्तर्राष्ट्रीय विजयन मेनन—1-3-76  
(पूर्वाह्नि) से 3-4-76 (अप्राह्नि)

3. श्री चितामणि विश्वनाथ सहस्रबुद्धे—27-1-76  
(पूर्वाह्नि) से 12-3-76 (अप्राह्नि)

सं० 5/1/76/स्थापना II/524—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक सहायक श्री कृश्ण सुन्दरदास बाछानी को इस अनुसंधान केन्द्र में 27-1-1976 से 12-3-1976 तक के लिए अस्थाई रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/76/स्थापना II/525—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक आशुलिपिक (वरिष्ठ) को पोनानी नारायण ग्राम्यर कृष्णमूर्ती को इसी अनुसंधान केन्द्र में 15-1-76 से 16-2-76 तक के लिए अस्थाई रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ती  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रम एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 20 मार्च 1976

सं० डो० पी० एस०/ए०/11013/3/76/स्थापना/4140—  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रम एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न क्रम सहायक श्री कुट्रियिल परमेश्वरन शिवराम पिले को 17, फरवरी, 1976 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810 ड० रो० 35-880-40-1000 ड० रो० 40-1200 रूपए के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रम अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

अन्तर्राष्ट्रीय विभाग

इसरो उपग्रह तंत्र परियोजना

पीनया-562140, दिनांक अप्रैल 1976

सं० 020/3(061)/76 दिनांक 19 मार्च, 1976—विक्रम सायमाई अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों और मूल वेतन पर भास्तीय अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगठन के इसरो उपग्रह तंत्र परियोजना में परोन्नति/प्रसामान्यीकरण पर दिनांक 1-1-1976 (पूर्वाह्नि) से रु० 650-30-740-

35-880 ड० रो० 40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	मूलवेतन
	सर्वेश्वरी	इंजीनियर	रु०
1 के०	कनकराजू	एस० बी०	650
2 एन०बी०	शिव प्रसाद	एस० बी०	650
3.	नारायणस्वामी	एस० बी०	650
4. जी०पार्थसारथी	एस० बी०	650	
5. एस० राजाराम	एस० बी०	650	
6. एस० चन्द्रबेल	एस० बी०	650	
7. आर० के० दवे	एस० बी०	650	
8. एन०एस० चन्द्रशेखर	एस० बी०	650	
9. के० चन्द्रशेखर	एस० बी०	650	
10. बी० शम्बाशिव राव	एस० बी०	650	
11. ए० आर० चन्द्रशेखर	एस० बी०	650	
12. एम० सुगुमार	एस० बी०	650	
13. एस० एस० आबलस्कर	एस० बी०	680	

बी० बी० एस० चौधरी  
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल 1976

सं० ए० 32013/9/73 ई० एच०—नागर विमानन विभाग में प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर एयर बाइस मार्शल एल० एस० ग्रेवाल, उडान परीक्षक की सेवाएँ 1 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्नि से पुनः बायुसेना के सुपुर्व कर दी गई हैं।

टी० एस० श्रीनिवासन,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1976

सं० 1/104/76 स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतवाया नई दिल्ली शाखा के ज्येष्ठ कार्यदेशक (फोरमैन), श्री एस० के० धवन को अल्पकालिक रिति स्थान पर 1-2-76 से लेकर 20-3-76 (बोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य पांत्रिक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गो० नायर  
उपनिदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1976

सं० 1/362/76-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री एस० एस० मित्रा को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 7-11-75 से लेकर 7-2-76 (दोमों दिन समेत) तक की प्रबधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रभियंता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी  
प्रशासन अधिकारी  
कृत महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

वैहराकून, दिनांक 28 मार्च 1976

सं० 16/246/75-स्थापना-1—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वैहराकून तमिलनाडु वन विभाग के वनराजिक श्री टी० पी० कलिअप्पन को, दिनांक 7 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से सहर्ष सहायक शिक्षक, दक्षिणी वनराजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टनगर,  
कृत सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमाशुल्क समाहृतालय

बम्बई-20, दिनांक 6 मार्च 1976

सं० फा० 11/3ई० (ए०) 1/76—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों में पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी द्वितीय के रूप में घपने नामों के आगे अंकित तिथियों को कार्यभार सम्माल लिया है :—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्मालने की तारीख
1.	श्री जे० ई० ए० सलडान्हा	2-8-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री घमीरहीन साहेब मोहम्मद	1-8-76 "
3.	श्री डी० एन० मुले	18-8-75 "
4.	श्री ए० ही० नाइक	1-1-76 "
5.	श्री क्षमा पदमेश्वरन	3-1-76 ..
6.	श्री एस० ए० सावत	31-1-76 ..
7.	श्री एस० ए० सूरती	26-2-76 ..
8.	श्री जी० ए० बागले	1-3-76 ..
9.	श्री बी० टी० राऊता	12-3-76 (प्रपराह्न)

ई० आर० श्रीकण्ठय्या  
समाहृत  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

चण्डीगढ़, दिनांक 10 मार्च 1976

सिवंदी

क्रम: 25— श्री डी० पी० गुप्ता, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समाहृतालय, चण्डीगढ़, की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम: रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर आगले आदेश तक की गई है। उन्होंने अधीक्षक श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क चण्डीगढ़ के पद का कार्यभार, दिनांक 28 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया है।

के० के० द्विवेदी  
समाहृती

कार्यालय, आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० एफ० 48-ए० डी० (एटी)/76—श्री वाई० बाल-सुब्रमनियम, तदर्थ आधार पर अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को आय-कर अपील अधिकरण अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में श्री टी० सी० जैन के स्थान पर अस्थायी भमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर 25 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से छह महीने के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, नियुक्त किया जाता है।

हरनाम शंकर  
अध्यक्ष

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० जी० एम० ए०/जी० एस० 8 (एकाउन्ट्स)—श्री घणित कुमार मित्र, स्थानापन्न प्रबर लेखा अधिकारी (भण्डार), चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना को इस प्रशासन के लेखा विभाग के संबंध में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर द्वितीय श्रेणी की सेवा में तारीख 3-2-76 से स्थायी किया जाता है।

के० एस० रामास्वामी  
महाप्रबन्धक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1976

सं० क-12017/6/76-प्रशा० पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० क—19012/554/75-प्रशा० पांच दिनांक 5-1-76 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा

श्री जो० जी० पड़ाले, [अनुसंधान] सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ रूप में 1-3-76 से 14-11-76 की आगामी अवधि तक अस्थाया श्री कृष्णानन्द को आयोग में वापसी तक—जो भी पहले है—नियुक्त करते हैं।

जसवंत सिंह

अवर सचिव

कूटे अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० 27-ई०/सी०(23)/73-ई०सी०-II—आयकर विभाग, (पटना) के श्री बी० जी० चौधरी, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) बाह्यकथ की आयु प्राप्त करने पर 31-3-76 (पूर्वान्त) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

पी० एस० पारवानी

प्रशासन उप-निवेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
कम्पनी कार्य विभाग  
(कम्पनी विधि बोर्ड)  
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के प्रधीन सूचना : मैसर्स भारत बेनीफाइट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में अहमदाबाद-380009, दिनांक 14 अप्रैल 1976 सं० 1607/लीब्याइडेशन—कम्पनी अरजी नं० 58 सन 1975 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 10-2-76 के आदेश द्वारा मैसर्स भारत बेनीफाइट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० याशा  
प्रमंडल वैज्ञायक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और कैनारा फार्मसू, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बैंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

सं० 2350/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदछारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैनारा-फार्मसू, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

प्रबोध  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
करनालक, बैंगलूर

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1976

निवेदण सं० आर० ए० सी० 53/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 15-1-503/बी०/20 है जो सिद्धम्बर बाजार  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 11-8-1975

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यकापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-ज्ञान अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित अविक्षियों, प्रथात्:—

1. श्री बाबू लाल तथा विनोद कुमार, ग्यान बाग कालोनी,  
हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री बाबू लाल जैन पुत्र शांतीलाल जैन, 14-2-332/  
71-ए, ग्यान बाग, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास  
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15-1-503/बी०/20 सिद्धम्बर बाजार, पहला  
मंजिल, ब्लाक नं० II, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख]: 15-4-1976  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री बाबूलाल और विनोद कुमार, ग्यान बाग कालोनी  
हैदराबाद।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 52/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/बी०/18 है जो सिद्धिवर बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-8-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—66GI/76

2. श्रीमती गुलाब देवी पत्नी हनुमान दास, 15-2-141  
महाराजगंग, हैदराबाद  
(अन्तरित)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15-1-503/बी०/18, पहला मंजिल, ब्लाक नं० II, सिद्धिवर बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 15-4-1976  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 51/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 15-1-503/बी/26 है तथा जो सिद्धिवार बाजार  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबू लाल तथा विनोद कुमार, ग्यान बाग कालोनी,  
हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. मेमसे राम कृष्ण चिट फंड भागीदार श्रीमती एम० के०  
देवनानी, 3-5-170 /ए, नारायणगुडा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में, दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 15-1-503/बी/26, पहला मंजिला, ब्लाक नं०  
II, सिद्धिवार बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 अप्रैल, 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 50/76-77—यतः मुझे के०  
एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/बी/22 है जो सिद्धिवार बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1975

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
यरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

1. श्री बाबू लाल तथा विभोद कुमार, घास बाग कालोनी  
हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री धरमचन्द्र पुत्र गुलाब चंद, 19-5-2 बाहादुर पुरा,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15-1-503/बी/22 पहला मंजिला, ब्लाक  
नं० II, सिद्धिवार बाजार, हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, [1976]

निदेश सं० आर० ए० सी० 49/7 6-77—यतः मुझे के०  
एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और

श्रीर जिसकी सं० 15-1-503/बी-19 है जो सिद्धिम्बर बाजार  
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
9-8-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री बाबूलाल तथा विनोद कुमार म्यान बाग कालोनी,  
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती मुशीला देवी पत्नी बाबूलाल जैन 14-2-332  
7/ए, म्यान बाग कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशीरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लाट नं० 15/1/503/बी/19 पहला मंजिला, दूसरा ब्लॉक  
सिद्धिम्बर बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 54/76-77—यतः मुझे को  
एस० वेकटरामन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-712/126 है तथा जो पंजागुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के असरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रन्त : ग्रन्त 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तीतः—

1. श्री पी० डी० पाडु, मुख्तारनामादार श्री मोहम्मद वहीदुद्दीन  
11-3-845, मल्लेपल्ली, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री डी० एल० एन० राजू पुत्र डी० एस० राजू सुपरिनेंटींग  
इन्जीनियर, नागर जुना सागर, विजय पुरी नार्थ, नलगोड़ा जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-712/126, बन्सीलाल बाग, पंजा गुड़ा,  
हैदराबाद।

के० एस० वेकटरामन  
राथम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर श्रावक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप शार्दूल टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल, 1976

निदेश सं० एफ० डी० के०/१/७६-७७—यतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक  
और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो मुक्तसर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुर्गदास विनायक सुपुत्र श्री धारी मल नजदीक बिजली  
घर, मुक्तसर। (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री धमाला सिंह वासी तिल्ली  
साहब रोड, नजदीक आई हास्पीटल, मुक्तसर। (अन्तरिती)

\* 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदिहां (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

\* 4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राम्पति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1188  
अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1976

मोहरः

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल, 1976

निदेश सं० एम० एन० एस०/3/76-77—यतः भुक्ते वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव होड़ला कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केहर सिंह सुपुत्र श्री सोभा सिंह वासी होड़ला कला।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह तथा श्रीमती राजिन्द्र कीर पत्नी श्री गुरबचन सिंह वासी पटियाला। (अन्तरिती)

\*(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

\*(4) कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षित जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जानता है कि वह संपत्ति में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लिखन नं० 2328 अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 7-4-1976  
मोहर:

## प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल, 1976

निवेश सं० एम० एन० एस०/4/76-77—पतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव होड़ला कला० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गेजा सिंह सपुत्र श्री सोभा सिंह गांव होड़ला कला०।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह सपुत्र श्री लाभ सिंह तथा श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह वासी पटियाला। (अन्तरिती)

\* 3. जैसा कि नं० २ में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

\* 4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हृति रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हृतबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथाविधि हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2327 अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

वी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1976  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० एस० आर०/7/76-77—यतः मुझे बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और जिसकी

सं० भूमि का प्लाट है तथा जो स्कीम नं० 62 इम्प्रूवमेंट  
द्रस्ट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का वारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की  
उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
3—66GI/76

1. श्री चिमन लाल सपुत्र श्री निका मल वासी कोट्ट रोड,  
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मेजर शिव कुमार धवन, निरंजन दास धवन सुपुत्रान  
श्री पश्चा लाल धवन वासी कोट्ट रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएश्वार यविहौं। (वह व्यक्ति,  
जिसके प्रधिभोग  
में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 324 स्कीम नं० 62 इम्प्रूवमेंट द्रस्ट अमृतसर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1448 अगस्त, 1975 को रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० पी० एन० जी०/10/76-77—अतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० आधा प्लाट नं० 41 इन्डस्ट्रीयल एरिया  
फगवाड़ा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित  
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त/  
नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पापा गपा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डाक्टर बलदेव प्रकाश सपुत्र श्री धनी राम गांधी  
चौक, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री गंडा सिंह पार्टनर जनता  
मैटल वर्क्स 9 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि कोई हों तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हृचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

आधा प्लाट नं० 41 इन्डस्ट्रीयल एरिया फगवाड़ा जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1098 अगस्त 1975 तथा 1428  
नवम्बर 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन०एस०---  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निवेदण सं० पी० एन० जी०/11/76-77—यतः मुझे बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू०  
से अधिक है

और जिसकी सं० आधा प्लाट, इन्डस्ट्रियल एरिया फगवाड़ा है  
तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,)  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त और नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समस्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डाक्टर बलदेव प्रकाश सपुत्र श्री धनी राम गांधी  
चौक फगवाड़ा । (अन्तरक)
2. श्री जीत सिंह सपुत्र श्री निरंजन सिंह पाठ्नर मैसर्ज  
जे० के० साधा एण्ड क० रेलवे रोड, फगवाड़ा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि कोई हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हू०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

आधा प्लाट नं० 41 इन्डस्ट्रियल एरिया, फगवाड़ा जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1099 अगस्त 1975 और  
1427 नवम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में  
लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1531—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है और जो महलों में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथतः—

1. श्री जगदीश पाल सुपुत्र श्री बेला सिंह, निवासी—महली  
तहसील, नवांशहर।  
(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री पाल सिंह, निवासी—थाटा,  
तहसील—सुलतान पुर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में संदर्भित है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2975 सितम्बर  
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976

निवेश स० ए० पी० नं० 1532—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो हितांग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूट विलेख के अनुसार अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, [उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रघुपाल सिंह सुपुत्र श्री कर्म सिंह जाट, निवासी—गांव दिघांम, तहसील—गढ़शंकर। (अन्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह, मंहगा सिंह सुपुत्र श्री धनी राम, निवासी दिघांम, तहसील—गढ़शंकर। (अन्तरिसी)

3. जो कि विलेख नं० 2 में है। ((वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 1662/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्थर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1533—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो रजिस्ट्र नगर जालन्धर में स्थित है (आंग इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीब अगस्त, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम लाल सुपुत्र श्री माधोराम, निवासी—मास्टर मोतासिह नगर जनरल अटानर्नी श्रीमती सुखबन्त कोर पत्नी श्री दलीप सिंह 2. सतीन्द्र सिंह सुपुत्र श्री संतोष कुमार सुपुत्र श्री दलीप सिंह निवासी रापुरा रोड़, पटियाला (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बैहल पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार बैहल, बांच अफसर, बीमा निगम, जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5374/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्र० श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976

निवेदा सं० 1535—यतः मूँझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गोराया में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्होर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त,  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पद्धत प्रतिष्ठित अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

ग्रन्त : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्यारा सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह  
निवासी—गोराया, तहसील—फिल्होर। (अन्तरक)

2. मैं गुरवक्स फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, फायाडा,  
द्वारा साधुसिंह मैनेजिंग डायरेक्टर फायाडा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2230/अगस्त 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्होर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976

निदेश सं० 1536—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त

1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों परामर्शति :—

1. श्री प्यारा सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह, वासी गांव गोराया।  
(अन्तरक)

2. मैं गरबखण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, फगवाड़ा द्वारा श्री साधु सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हच्छ रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2344/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत श्राद्धा० दी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1537—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याति :—

4—66GI/76

1. श्रीमती सुदर्शन रानी पत्नी श्री हंस राज सुपुत्र श्री सोम नाथ, निवासी ई० जे० 35, कोट पक्षियां, जालन्धर। (अन्तरक)
2. मैसर्स पी० एस० जन मोद्रज, जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5141/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, वैदराबाद

तारीख: 8-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1538—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुदरशन रानी पत्नी श्री हंस राज सुपुत्र श्री सामनाथ निवासी कोट पक्षियां, भकान नं० ६० के० ३५, जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स पी० एस० जैन मोर्टसर्ज, जालन्धर। (अन्तरिती)  
3. जैसा कि नं० २ में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हाथ रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जागता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5187/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

## प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1539—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बुल्लोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केशव दास सुपुत्र श्री जोती राम, निवासी, बुल्लोवाल तहसील, जालन्धर। (अन्तरक)

2. (i) श्री तरसेम सिंह (ii) बलदेव सिंह सुपुत्र श्री आतमा सिंह, निवासी जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5129/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० न० 1540—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बुल्लीबाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को

#### पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री केशो दास सुप्रत श्री जोती राम, वासी बुल्लीबाल।  
(अन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह, सतनाम सिंह सुप्रत श्री आरमा सिंह, वासी—बुल्लीबाल, तहसील, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5130, अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

## प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1541—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
 बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
 और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित  
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थात् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री ऊद्धम सिंह सुपुत्र श्री पर्ण सिंह सुपुत्र श्री पंजाम सिंह  
निवासी वरकाम । (अन्तरक)

2. श्री गुरुचर्ण कुमार, प्रदीप कुमार, जातीन्द्र कुमार सुपुत्र  
श्री जगदीण चन्द्र सुपुत्र श्री जीवन दास, 47, विजय नगर, जालन्धर।  
(अन्तर्रिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्धीहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मम्पति वे अर्जन के संबंध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भगाए जाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्तु सर्वाम्

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5236, अगस्त 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

## रवीन्द्र कुमार सक्षम अधिकारी

तारीख : ८-४-१९७६

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० पी० नं० 1542—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो वरयाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पल्ह ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपरा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थत्।—

1. श्री ऊधम सिंह सुपुत्र श्री पूर्ण सिंह, गांव वरयाम तहसील,  
जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री गुरबचन कुमार, प्रवीप कुमार, जातिन्द्र कुमार  
सुपुत्र श्री जगदीप चन्द्र सुपुत्र श्री जीवन दास, 47, विजय नगर,  
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5333/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोदूरः

प्रृष्ठा ग्राह्य ०१०२०१०५०८०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ६० पी० नं० १५४३—यतः; मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
आधारितम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री बन्दि सिंह सुपुत्र श्रीचर्णजीत सिंह, निवासी वासी  
वावा रवेल, जालन्धर। (अन्तरक)

2. मैसर्स माहे लैड अष्टा होशियापुर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4911/अगस्त 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

## प्रलेप आई०टी०एन०एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० प० पी० न० 1544—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो अट्टा जी० टी० रोड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रष्टात्:—

1. श्री सत्यन सिंह सुपुत्र श्री लृष्ण गिह सुपुत्र श्री हजारा सिंह निवासी अद्वृत हासील, फिल्हौर (अन्तरक)

2. श्री वलवंत गिह सुपुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री चत्र गिह निवासी अधेकाली तहसील फिल्हौर। (अन्तरिती)

3. जैरा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2465/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक ग्रायकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ६० पी० नं० 1545—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा (जो अटआ में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है))  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त  
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रहण: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणतः :—

5—66GI/76

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री द्वृष्णि सिंह, निवासी अटू,  
तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री साधु सिंह निवासी गौराया।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हव्वि रखता है (वह व्यक्ति जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधि-  
नियम’ के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2481 अगस्त/ 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1546—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड, छट्ठा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री सरबन सिंह सुपुत्र श्री कृष्ण सिंह, निवासी छट्ठा, तहसील फिल्लौर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति मोहन कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी गौराया द्वारा साधु सिंह, फिल्लौर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शब्द होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2354 /अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1547—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड अड्डा में स्थित है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीन किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

1. श्री मर्वण सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, निवासी अड्डा, तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)
2. श्री सुरिन्दर जीत सिंह सुपुत्र श्री साधू सिंह निवासी गौराया, तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2440/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में दिया है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० पी० नं० 1548—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिम्की सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड अट्टा में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(व) अन्तरण से बुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सर्वा सिंह सुपुत्र श्री किणन सिंह, निवासी, अट्टा, तहसील, फिल्हौर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री साधु सिंह द्वारा श्री साधु सिंह, निवासी, गौराया, तहसील—फिल्हौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या क्षत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2355/अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-4-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० पी० नं० 1549—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पद्धा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या नभरे जच्ने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

1. श्री वशपाल जोशी सुपुत्र श्री हंस गज तथा सर्वे श्री रमेशकुमार, जनक राज, सुशिंद्र कुमार, राज कुमार, सुपुत्र श्री वश पाल, 147—ग्रीन पार्क जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह सर्वा श्री पर्मजीत सिंह, मनजीत सिंह, मोहन सिंह सुपुत्र श्री प्यारा निह द्वारा श्री सुशिंद्र सिंह कोठी नं० 147-ए० ग्रीन पार्क कालोसी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यावत, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यावत, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त प्राप्ति और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा 1 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5369/सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० पी० नं० 1550—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने ये सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यासियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 268-घ की उपष्वारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशपाल जोशी सुपुत्र श्री हंस राज तथा सर्व श्री रमेश कुमार, जनक राज, सुरिन्द्र कुमार, राज कुमार, सुपुत्र श्री यशपाल, 147 ग्रीन पार्क कालोनी, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह, सर्व श्री पर्मजीत सिंह, रनजीत सिंह, मोहन सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह, द्वारा श्री सुरिन्द्र सिंह, 147 ग्रीन पार्क कालोनी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा 1के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5448/सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीखः 9-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० ८८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1551—यतः मुझे खोन्द कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशपाल जीशी सुपुत्र श्री हंस राज सुपुत्र श्री रमेश कुमार, जनक राज, सुरिन्द्र कुमार, राज कुमार, सुपुत्र श्री यशपाल 147-ए, ग्रीन पार्क, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदोप कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह 2. पर्मजीत मिह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह 3. मनजीत सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह 4. मोहन सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह द्वारा श्री सुरिन्द्र सिंह, कोठी नं० 147 ग्रीन पार्क, कालीनी, जालन्धर। (अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यवित्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यवित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 5449/सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

(नदेश सं० ए० पी० न०-१५५२--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा (के अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यशपाल जीणी सुपुत्र श्री हंस राज सुपुत्र श्री रमेश कुमार, जनक राज, सुरिन्द्र कुमार, तथा राज कुमार सुपुत्र श्री यशपाल निवासी—147-ए, ग्रीन पार्क, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री प्यारा मिह (2) परमजीत सिंह सुपुत्र श्री प्यारा मिह (3) मनजीत सिंह सुपुत्र श्री प्यारा सिंह (4) मोहन सिंह सुपुत्र श्री प्यारा मिह द्वारा श्री सुरेन्द्र सिंह निवासी कोठी नं० 147-ए, ग्रीन पार्क कालोनी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**हप्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा (के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5447/सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिया गया है।

रवीन्द्र कुमार  
संक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 9-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१(283)/१-१/७५-७६--  
यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 477, है, जो वेजलपुर गांव, अहमदाबाद।  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28-८-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या छन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्ता अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वातंत्र्य :—  
6-66 GI/76

1. श्री ठाकोर सोभाजी मगनजी, वेजलपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. सत्यनारायण को० की ओर से :—  
(1) श्री रणछोड़भाई जीवाभाई,  
(2) श्री महासुखभाई ईश्वरभाई, वेजलपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 7700  
बर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 477 है तथा जो वेजलपुर गांव में  
जीवराज पार्क के पास, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-3-1976  
मोहर :

प्रूष प्राई० टी० एन० एस०—

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-748(284)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जो कथूरिया

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 333-334/1 है, जो असारवा गांव, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स नटराज इन्डस्ट्रीज, मारकत मैसर्स असारवा बोर्डन वर्क्स, असारवा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. मैसर्स तेजावाला एण्ड को०, लाटी बजार, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित असारवा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 8349 वर्ग गज है तथा जिसका टी० पी० ए० सं० नं० 12 है तथा जो असारवा गांव, अहमदाबाद में स्थित है।

जो० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-3-1976  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-766(285)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे न० 381, टी० पी० एस० न० 10, एफ०  
पी० न० 91, है, जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्न या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोरथ छोटालाल शाह, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री बाबूभाई मणीलाल शाह,

(2) कंचनबेन सोमचन्द, 19, सत्यम सोसायटी, बहाई  
सेन्टर, शाहपुर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1879  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे न० 381, फायनल प्लाट न० 91,  
टी० पी० एस० न० 10 है तथा जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित  
है।

जे० कथूरिया  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 9-3-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-767 (286)/1-1/

75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 148 तथा 149, सब प्लाट नं० 4, एफ० पी० नं० 5 है, जो दरियापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपरांत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत [उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

1. प्रथर कन्ट्रोल एण्ड केमिकल्स, इन्जीनियरिंग को० लि०, की ओर से प्रमुख :— श्री सुरेन्द्र मगन लाल मेहता, मेहता मेन्शन, गाम डेयरी के पास, बम्बई-7।

(अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर घामीराम, मानव सेवा संघ के ट्रस्टी की हैसियत से :—

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2219 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 148 है तथा 149, सब प्लाट नं० 4, फायनल प्लाट नं० 5, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरिया-पुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद  
 अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-768(288)/1-1/  
 75-76—यतः मुझे जो० कथूरिया  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है।  
 और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 41, सब प्लाट नं० 1, टी० पी०  
 एस० नं० 8, है, जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है  
 (श्री इससे उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
 कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
 29-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
 अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
 अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
 1922 (1922 का 11) या 'उक्त  
 अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957  
 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती  
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
 आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के  
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री मिद्दार्थभाई कस्लूरभाई, शाही बाग, अहमदाबाद।  
 (अन्तरक)
2. मनोज एपार्टमेंट्स कॉ० आर्प० हाऊसिंग सोसायटी,  
 की ओर से :—
  - (1) श्री मगनभाई नरसीभाई पटेल,
  - (2) श्री प्रल्लादभाई छगनभाई पटेल, उम्मया नगर  
 सोसायटी, असारवा, अहमदाबाद।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
 दिन की अवधि तक संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1089  
 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 41, सब प्लाट नं० 1,  
 टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद  
 में स्थित है।

जे० कथूरिया  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 10-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-768(289)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 41 है, सब प्लाट नं० 2, टी० पी०  
एस० नं० 8, है, जो दरीयापुर, काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विमलावेन सिंद्धार्थभाई, शाही बाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मनोज एपार्टमेन्ट्स कॉ० आॅप०, हाऊसिंग सोसायटी,  
की ओर से:—

(1) श्री मगनभाई नरसीभाई पटेल,

(3) श्री प्रह्लादभाई छगनभाई पटेल, उमिया नगर  
सोसायटी, असारवा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1089  
वर्ग गज है तथा जिसका फायल प्लाट नं० 41, सब प्लाट नं०  
2, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरीयापुर-काजीपुर,  
अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 10-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-745(290)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जै० कथूरिया

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

श्रौत जिसकी सं० फायनल प्लाट न० 40, टी० पी० एस० न० 8,  
है, जो दरीयापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (श्रौत इसके  
उपावढ़ अनुसूची में श्रौत पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 14-8-1975 को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौत मुझे यह विभास करने  
का कारण है कि यथापूर्खोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है श्रौत अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तर के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; श्रौत/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रंछोड़लाल डाह्याभाई सुतारिया,,  
(2) श्रायकर रंछोड़लाल डाह्याभाई सुतारिया,  
(3) मधुर रंछोड़लाल डाह्याभाई सुतारिया शाही बाग  
कैम्प रोड़, अहमदाबाद-4 (अन्तरक)

2. श्री शाहीबाग महावीर फ्लैट्स की ओर से:—  
(1) श्री कृष्ण चन्द्र नटवर लाल मिस्त्री, मर्ची पोल,  
जमालपुर, अहमदाबाद।  
(2) श्री डाह्याभाई ईश्वरभाई पटेल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौत पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2290  
वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लाट न० 40, टी० पी० एस०  
न० 8 है तथा जो दरीयापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 10-3-1976

मोहर:

प्रलेप श्राविं टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-731(291)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 100, टी० पी० एस० नं० 12, एफ० पी० नं० 182, सब प्लाट नं०-2, है, जो अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नगीनदास पुर्णोत्तम वास द्विधया, सांकड़ी शेरी, बोवाडिया वैद की खड़की के सामने, रायपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. मै० दीपक पार्क को० आ०प० हाऊर्सिंग सौसायटी लि०, 3-21, विल्ले नगर, सरसपुर, अहमदाबाद की ओर से :—

सर्वश्री :— (1) शंकरभाई अम्बाशम पटेल, (प्रधान)

(2) अमृतलाल नाथालाल पटेल, (सेक्रेट्री)

(3) नानालाल प्रेमजीभाई व्यास, (मेम्बर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 3299 वर्ग मीटर अथवा 3945 वर्ग गज है तथा जिसका फायल नं० 182, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो, भीड़ भंजन हनुमान मंदिर के पीछे, वापूनगर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निकेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-942(312)/1-1/

75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी०  
नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 10, टी० पी० एस० नं० 14, है  
जो दरियापुर-काजीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 20-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-66 GI/76

1. श्री भरतकुमार चिनुभाई बैंकर, मधुबन, डफनाला,  
गाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री गिरीशचन्द्र नगीनडास, बी० बी० एस० (रोलर फ्लोर  
मिल्स, प्रेम दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 297 वर्ग-  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2 क्षेत्रफल तथा  
एफ० पी० नं० 269; ए, सब प्लाट नं० 10 टी० पी० एस०  
नं० 14 है तथा जो दरियापुर काजीपुर, गाहीबाग, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 20-8-75 वाले बिक्री  
दस्तावेज नं० 12147 में दिया गया है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-4-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-943(313)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी०  
नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 9, टी०पी० एस० नं० 14 है, जो  
दरियापुर, काजीपुर शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
20-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् I—

1. श्री भरत कुमार चिनुभाई बैंकर, मधुवन, डफनाला,  
शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री भानू प्रसाद नगीनदास

मार्फत :—बी०बी० एस० रोलर फ्लोर मिल्स, प्रेम दर-  
वाजा के बाहर, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 'हिसबद्ध'  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 297  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2,  
एफ० पी० नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 9, टी० पी० एस० नं०  
14, है तथा जो दरियापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में  
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 20-8-75 वाले बिक्री  
दस्तावेज नं० 12148 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-4-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-944(314)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 8, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो दरियापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है रस्ट्रीकेटी प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णातः :—

1. श्री भरत कुमार चिनुभाई बैंकर, मधुबन, डक्नाला, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री नारायण भाई नगीनदास, बी० बी० एस० रोलर फ्लौर मिल्स, प्रेम दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 294 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, टी० पी० एस० नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 8, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 20-8-1975 वाले विक्री दस्तावेज नं० 12146 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-९४६ (316)/१-१/७५-७६— यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269 ए, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो दरीयापुर—काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-८-७५ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरतकुमार चिनुभाई बैंकर,  
मधुबन उफनाला,  
शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) प्रवीणाबेन रघूनाथसिंह बारोट,  
21, अपर्जी सोसायटी,  
सेन्ट जेवीयर्स स्कूल रोड के पीछे,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 405 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन 25-८-७५ वाले विक्री दस्तावेज नं० 12524 में दिया गया है।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-4-76

मोरह :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० : 23-I-945 (315)/1-1/75-

76—यतः मझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भरतकुमार चिनुभाई बैंकर,  
मधुबन, डफनाला,  
शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बालचन्द्र बलदेवप्रसाद मिश्रा,  
कालुपुर- दोशीबानी पोल,  
मामा नी पोल,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्विधाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 616 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269-ए, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 26-8-75 वाले विश्री दस्तावेज नं० 12698 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-4-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 13 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० व्य०-२३-१-७६४(३२०)/१-१/७५-७६  
—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे न० 336/2 है, जो घाटलोडीया गांव,  
सब डिस्ट्रीक्ट—अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपादान  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 25-८-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सूरजबेन विधवा

श्री मगनभाई वेणीदास,

(2) शान्ताबेन मगनभाई पटेल,

घाटलोडीया गांव,

अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) न्यू उमीदा विजय को० श्रीष०

हाऊसिंग सोसायटी लि०

को श्रीर से :—

प्रमुख :—श्री हसमुखभाई, कान्तीलाल पटेल,

सेक्टरी :—श्री महेशभाई छगनभाई पटेल,

ओफीस; शाहपुर दरवाजा के बाहर,

पोस्ट ओफीस के ऊपर,

अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़,  
35 गूँठा, है तथा जिसका सर्वे न० 336/2 है तथा जो घाट-  
लोडीया गांव में, सब डिस्ट्रीक्ट, अहमदाबाद सिटी में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-4-76

मोहर :

प्रृष्ठ प आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-957 (322)/1-1/75-76

—यतः मझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 410-ए-2 (भाग) तथा 411, एफ० पी० नं० 47, सब प्लाट नं० 1-बी०, टी० पी० एस० नं० 12, है, जो असारवा, नरोड़ा रोड, अहमदाबाद में स्थित है (श्री इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मंजरीबेन सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह,  
शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) अनार को० आप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि०  
की ओर से :—  
श्री एच० एल० परीख, (प्रमुख)  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

(3) (1) अशनी कन्सट्रक्शन का०  
की ओर से :—  
श्री हिमत लाल कालीदास,

(2) श्री दीपक सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह,

(3) श्री जनक सर्वोत्तम हाथीसिंह,

(4) गुलाबबेन सर्वोत्तम हाथीसिंह।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4282, वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 410-ए-2-तथा 411 है, फायनल प्लाट नं० 47, सब प्लाट नं० 1-बी०, टी० पी० एस० नं० 12 है, तथा जो असारवा, नरोड़ा रोड, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 14-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-958 (323)/1-1/-  
75-76—यतः मुझे जो० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 410-ए-2 (भाग) तथा 411 (भाग)  
एफ० पी० नं० 47, सब प्लाट नं० 1-ए, टी० पी० एस-नं० 12  
है, जो असारवा, नरोडा रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, स्थिताने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती संहिताबेन सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह,  
शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) अनार को० आप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि०  
की ओर से:—  
श्री एच० एल० परीख (प्रमुख)  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)
- (3) (1) अशांती कन्सल्टेंशन को०  
की ओर से भागीदार:  
श्री हिम्मतलाल कालीदास शाह,  
(2) दीपक सर्वोत्तम भाई हाथी सिंह  
(3) जनक सर्वोत्तम भाई हाथी सिंह,  
(4) गुलाबबेन सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि  
वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के  
परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक छुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4282  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 410 ए-2 (भाग) तथा 411  
(भाग), फायनल प्लाट नं० 47, सब प्लाट नं० 1-ए, टी० पी०  
एस० नं० 12 है तथा जो असारवा, नरोडा रोड, अहमदाबाद में  
स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 14-4-76  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 14 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-959 (324)/1-1/75-76  
—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 410-ए-2 (भाग) तथा 411 (भाग), एफ० पी० नं० 47 (भाग), सब प्लाट नं० 1-सी, दी० पी० एस० नं० 12 है, जो असारवा (नरोड़ा रोड) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुलाबदेव नवोत्तमभाई हाथीसिंह  
शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) अनार को० आप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि०  
की ओर से:—

श्री एन० एल० परीख (प्रमुख),  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

(4) (1) अशनी कन्स्ट्रक्शन कं० फर्म,  
भागीदार श्री हिम्मत लाल काली दास  
शाह द्वारा।

(2) दीपक सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह  
—शाहीबाग, अहमदाबाद।

(3) जनक सर्वोत्तमभाई हाथीसिंह  
—शाहीबाग, अहमदाबाद।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 7239 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 410-ए-2 (भाग) तथा 411 (भाग), एफ० पी० नं० 47 (भाग), सब प्लाट नं० 1-सी, दी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो असारवा, नरोड़ा रोड, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 14-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 14 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-740 (325) 1/1/75-76

—यतः मुझे जो कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की

धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्व० नं० 99, है, जो खाड़ीया वार्ड नं० 3,

अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन अगस्त- 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाश्च गया प्रतिफल निम्न-

लिखित उद्देश्य से उक्त अत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सत्तीशचन्द्र रमणीकलाल कोठारी,  
बाला हनुमान के पास,  
पुष्करना नी पोल,  
खाड़ीया, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोडन प्लास्टिक इंडस्ट्रीज,  
प्रो० श्री चन्द्रलाल खुशालदास सोनी,  
सारंगपुर के पास,  
रंछोड़जी ना पोल, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

(3) (1) मैसर्स मोडन ट्रेडिंग को०  
(2) मैसर्स भारत स्टोर्स,  
(3) मैसर्स हरजीवन ठवकर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोषस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 73 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सिटी सर्व० नं० 99 है तथा जो खाड़ीया वार्ड नं० 3, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन-रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 15 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-960 (326)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

भायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 4225, सब प्लाट नं० 1 तथा 3, है, जो शाहपुर-वार्ड नं० II, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बासुमती चैरेटी द्रस्ट,

की ओर से उनके द्रस्टी:—

(1) श्रीमती इन्दुमतीबेन चिमनलाल  
तथा

(2) श्रीमती गजीबेन जीवणलाल,  
बोरसली, खानपुर,

अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) बोरसली एपार्टमेन्ट को० आप०  
हाऊसिंग सोसायटी लि०

की ओर से:—

प्रमुख:—श्री प्रबोध हीरालाल पटेल,  
28/2, पटेल नगर सोसायटी,

असारदा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन] के लिये कार्यालयाद्वारा ही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्धेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 2904 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 4225, सब प्लाट नं० 1 तथा 3 है तथा जो शाहपुर वार्ड नं० II, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 15-4-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-961 (327)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 18 1, है, सब प्लाट नं० 2 तथा 5, टी० पी० एस० नं० है, जो 15, बाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे ढगबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हे प्रारंभी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जरीना बेन नैशीर खम्बाटा,  
हांसोल गांव,  
कैम्प, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सोराबजी एपार्टमेन्ट को० आप०  
हाऊसिंग सोसायटी लि०  
की ओर से :—

प्रमुख :—श्री नेताजी जमनदास,  
मणीनगर, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 975 वर्ग गज है तथा जो दो निम्नलिखित विक्री दस्तावेजों द्वारा बिक्री किया गया है :—

नं०	दस्तावेज नं०	सम्पत्ति की अनुसूची	क्षेत्रफल:
1.	11741/ 18-8-75	फायनल प्लाट नं० 181, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 15, बाडज, अहमदाबाद।	532 वर्ग गज
2.	11752 18-8-75	एफ० पी० नं० 181 सब प्लाट नं० 5, टी० पी० एस० नं० 15 बाडज, अहमदाबाद।	447 975

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 15-4-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-962 (328)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जो० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 318, एफ० पी० नं० 14-2, सब प्लाट नं० 7, टी० पी० एस० 28 है, जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-75 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सोमाभाई भोहनलाल पटेल।
- (2) श्रीमती जडीबेन सोमाभाई

- (3) श्री भोगीलाल सोमाभाई पटेल  
स्वयं तथा निम्नलिखित अवयस्क पुत्रों की ओर से—  
(i) सुनील भोगीलाल,  
(ii) जितेन्द्र भोगीलाल तथा  
(iii) मनीष भोगीलाल
  - (4) कलावती भोगीलाल पटेल
  - (5) श्री रमणलाल सोमाभाई पटेल  
स्वयं तथा परेश रमणलाल अवयस्क पुत्र की ओर से  
(6) मधुकान्ता रमणलाल
  - (7) भरत सोमाभाई
  - (8) हन्सावेन भरतभाई
  - (9) रजतीकान्त सोमाभाई  
नवा वाडज अहमदाबाद।
- (अन्तरक)
2. विश्व विजय को-आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० की ओर से—प्रमुख—श्री मनुभाई मूलचन्दभाई पटेल तथा सिंक्रेटरी श्री मणीलाल निम्नवनदास पटेल, 14, तारा कुन्ज, नवा वाडज, अहमदाबाद।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ग्राम सम्पत्ति जो 613 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 318, एफ० पी० नं० 14-2, सब प्लाट नं० 7, टी० पी० एस० नं० 28 है तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है।

जो० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

## प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस० —

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I, १९६३ (३२९) १-१/  
७५-७६—प्रतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० ३१८, सब प्लाट नं० ४, टी० पी० एस०  
नं० २८ है, जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाधत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,  
सुविधा के लिए;

प्रतः श्राय, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपघारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पटेल गोपालदास बनमालीदास (2) श्री पटेल  
पूंजाभाई बनमालीदास, अगोल गांव, तालुका कडी, डिस्ट्रिक्ट  
महेशाणा।  
(अन्तरक)

2. श्री पटेल रंगोळीभाई अम्बालाल, ४७४, परबड़ी बास,  
नया वाडज, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल  
660 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० ३१८, सब प्लाट  
नं० ४, टी० पी० एस० नं० २८ है तथा जो वाडज, अहमदा-  
बाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 15-4-76

मोहर :

प्रूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-964 (330)/1-1/

75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कायनल प्लाट नं० 181, सब प्लाट नं० 4 तथा 7, टी० पी० एस० नं० 15, है जो बाड़ज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गोस्पी परवाज दारोगा, सोरावजी कम्पाउन्ड, बाड़ज, अहमदाबाद-13। (अन्तरक)

2. श्री सोरावजी एपार्टमेंट को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की ओर से, प्रमुख श्री नेताजी जगनादास, मणीनगर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**रप्टोरिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा 'जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 918 वर्ग गज है तथा जो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा बिक्री किया गया है।

नं०	दस्तावेज नं०	सम्पत्ति का विवरण	क्षेत्रफल
1.	17744	एफ० पी० नं० 181, सब प्लाट नं० 4, टी० पी० एस० नं० 15, बाड़ज, अहमदाबाद।	473 वर्ग गज
2.	11754	एफ० पी० नं० 181, सब प्लाट नं० 7, टी० पी० एस० नं० 15, बाड़ज, अहमदाबाद।	445 वर्ग गज
		कुल	918 वर्ग गज

तारीख : 15-4-76

मोहर :

जे० कथूरिया,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अहमदाबाद।

प्रसूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I, 965 (331)/1-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फायल प्लाट नं० 181, सब प्लाट नं० 3 तथा  
8, टी० पी० एस० नं० 15 है जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है  
(श्री इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खोरशद जहानगीर दूबष, सोराबजी कम्पाउन्ड,  
वाडज, अहमदाबाद-13।  
(अन्तरक)

2. सोराबजी एपार्टमेंट को० श्राप० हाऊसिंग सोसायटी  
लि० की ओर से, प्रभुख श्री नेताजी जमनादास, मणीनगर, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 943 वर्ग गज  
है तथा जो दो निम्नलिखित विक्री दस्तावेजों द्वारा विक्री किया  
गया है।

नं० दस्तावेज नं०	सम्पत्ति का विवरण	क्षेत्रफल
1. 11742 एफ० पी० नं० 181	सब प्लाट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 15, वाडज, अहमदाबाद,	443 वर्ग गज
2. 11755 एफ० पी० नं० 181,	सब प्लाट नं० 8, टी० पी० एस० नं० 15, वाडज अहमदाबाद।	500 वर्ग गज
		943 वर्ग गज

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-966 (332)/1-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
और जिसकी सं० फायल प्लाट नं० 181, सब प्लाट नं० 1 तथा  
6, टी० पी० एस० नं० 15 है, जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—66GI/76

1. श्री नजूबेन रस्तम दलाल, "सन बीम", मिरजापुर रोड,  
अहमदाबाद-1। (अन्तरक)

2. सोराबजी एपार्टमेंट को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लि० की ओर से प्रमुख श्री नेताजी जमनादास, मणिनगर, अहमदा-  
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हिस्ब में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 969 वर्ग गज  
है तथा जिसका बिक्री दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा किया  
गया है :—

नं०	दस्तावेज नं०	सम्पत्ति का विवरण	क्षेत्रफल
1.	11743	एफ० पी० नं० 181, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० नं० 15, वाडज, अहमदाबाद	485 वर्ग गज
2.	11753	एफ० पी० नं० 181, सब प्लाट नं० 6, टी० पी० एस० नं० 15, वाडज, अहमदाबाद।	484 वर्गगज
			969 वर्ग गज

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-4-76

मोहर :

प्र॒ष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-I-771 (333)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1683 (भाग) है, जो शाहपुर वार्ड नं० 2, नगर शेठ वांडो के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भ्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः आय 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्रीमती प्रियंवदा के० नगरशेठ, नगरशेठ वांडो, पुराना मिविल हस्पताल, ओकांटा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. मैसर्स शांति कमर्शियल सेंटर, 39, संजीव बाग, नवा शारदा मंदिर रोड, अहमदाबाद के हेतु तथा उसकी ओर से :—

- (1) श्री कल्याणभाई पुर्खोत्तम दास फाईया,
- (2) श्री आत्माराम भोगीलाल सुतरीया,
- (3) श्री तालभाई गिरधरलाल दलाल,
- (4) जयंतीलाल आत्माराम शाह,
- (5) जयंतीलाल भोगीलाल शाह,
- (6) सुमतीलाल छोटालाल शाह,
- (7) रसिकलाल मोहनलाल शाह,
- (8) श्री भरत कुमार चन्द्रलाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1020 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 1683 (भाग) है तथा जो शाहपुर वार्ड नं० 2, नगरशेठ वांडो, के पास, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 19-8-75 वाले विक्री दस्तावेज नं० 11988 में, जो सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किया गया है, में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76.

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्र० 23-I-967 (334)/1-1/75-76—यसः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 100, टी० पी० एस० नं० 3, है, जो शेखपुरबखानपुर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. विजय कारपोरेशन के हेतु तथा उसकी ओर से भागीवार,  
ए-1 (1) लक्ष्मीलाल नाथालाल सोमाणी अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्यायार के रूप में,  
(2) हसमुखलाल चुनीलाल मेहता,  
(3) मनूभाई जीवदास मेहता,  
(4) प्रबोधचन्द्र नाथालाल,  
(5) पदमाबेन रत्नीलाल  
(6) कलावती भोगीलाल मेहता,  
(7) आसुतोष विमलशंकर शास्त्री,  
(8) जनकभाई धेलाभाई शाह,  
(9) सुधीरकुमार शान्तीलाल मेहता,

- (10) बाबूभाई भोगीलाल,  
(11) दिलौपकुमार चुनुलाल पटेल  
(12) पदमा कुन्दनलाल शाह।

छोटालाल चाल, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।  
बी-1 (1) श्रावक कुमार शान्तीलाल, अपने लिए तथा निम्नलिखित व्यक्तियों के मुख्यायार के रूप में,

- (2) हसमुखलाल चुनीलाल मेहता  
(3) मनूभाई भोगीलाल मेहता,  
(4) प्रबोधचन्द्र नाथालाल  
(5) कलावती भोगीलाल मेहता,  
(6) आसुतोष विमलशंकर शास्त्री  
(7) जनकभाई धेलाभाई शाह,  
(8) सुधीरकुमार शान्तीलाल मेहता,  
(9) बाबूभाई भोगीलाल  
(10) पदमाबेन रत्नीलाल  
(11) दिलौपकुमार चुनुलाल पटेल  
(12) पदमा कुन्दनलाल शाह।

ज्ञानदीप सोसायटी, धूमकेतु मार्ग, एलिस-ब्रिज, पालड़ी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (i) जतनबेन कालीदास

(ii) श्री किरनचन्द्र कनूभाई चौधरी,

(iii) श्रावक कुमार कनूभाई, अवयस्क पुत्र की ओर से श्री कनूभाई रेवनदास चौधरी, बनवा उनावा गांव, डिस्ट्रिक्ट महेसाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान जो अर्जाना कमरियल सेन्टर के ग्राउंडफ्लोर पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 100, टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो शेखपुरबखानपुर, नवरंगपुरा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-4-1976

मीहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, [दिनांक 17 अप्रैल 1976]

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-968 (335)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, ज० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 1332 तथा 1333 है जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-75 को

#### पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फ़न्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भुदाजी भाईजी, बेजलपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. अपैक्सा को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से श्री पटेल जयंती लालहीरालाल, 19-2, शाहपुर दरवाजा के बाहर, पोस्ट ग्राफिस के पास, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 20 गूँठा (16940 वर्ग गज) है तथा जिसका सर्वे नं० 1332 तथा 1333 है तथा जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जो दो निम्नलिखित बिक्री वस्तावेजों द्वारा बिक्री किया गया है :—

नं०	सर्वे नं०	दस्तावेज नं०	क्षेत्रफल		
			तारीख	एकड़	गूँठा
1.	1332	11962/	19-8-75	1	30
2.	1333	11956/	19-8-75	1	30

ज० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-761 (336)/1-1/75-76

—यतः, मुझे, जो० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 193, एस० पी० नं० 5 है, जो राजपुर, हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सविताबेन विधवा श्री प्राणजीवनदास नागोरी, महाराष्ट्र सोसायटी के पास, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. जलरिंदु को०-ग्रापरेटिव हाउसिंग सो०लि० की ओर से, प्रमुख : श्री घनश्यामभाई मफतलाल पटेल, मणिनगर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल संपत्ति जो एक 1922 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 193 एस० पी० नं० 5 है और जो राजपुर, हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है।

ओ० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 17-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-862 (337)/1-1/

75-76/—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 380/1, एस० पी० नं० 4, एफ० पी०  
नं० 93, टी० पी० एस० 10 है, जो रखियाल, अहमदाबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
12-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पानाचंद मंगलदास केमिली ट्रस्ट, 183, न्यू क्लोथ  
मारकेट, अहमदाबाद-2।  
(अन्तरक)

2. मै० एस० पी० एफ० टेक्सटाइल मिल्स, 5, पंचायत  
भवन, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित द्वारा, अन्तरिती के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1825 वर्ग गज  
है तथा जिसका सर्वे नं० 380/1, एफ० पी० नं० 93, टी० पी०  
एस० नं० 10 है, तथा जो रास्ते की जमीन का 163½ वर्ग गज  
का अधिभाजित हिस्से के साथ है और जो रखियाल, अहमदाबाद  
में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद  
ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-७६२(३३८)/(१-१/  
७५-७६—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 193, ए० पी० नं० 6 है, जो राजपुर,  
हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 22-८-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अस्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरके  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ना के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रंजनाबेन, विधवा हर्षदराय प्राणजीवनदास,  
महाराष्ट्र सोसायटी के पास, एलिसगिर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. जलविन्दु को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,  
की ओर से, प्रमुख श्री घनश्याम मफतलाल फटेल, मणिनगर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल संपत्ति जो 4259 वर्ग गज भूमि पर स्थित  
है तथा जिसका सर्वे नं० 193, सब प्लाट नं० 6 है और  
जो राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती रुग्रमनी धीरजलाल मीठानी, राजकोट  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री हरिश्चन्द्र भजलाल जीवराजानी, पंचनाथ प्लाट, राजकोट  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० कृ० 23-1-690 (339)/16-6/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 691-673 (भाग) है, जो पंचनाथ प्लाट,  
राजकोट में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधारतः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 152-8-0 वर्ग गज भूमि पर  
स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 891-673 (भाग) है, तथा  
जो पंचनाथ प्लाट शेरी नं० 10/2, राजकोट में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एच० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1976  
निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-1-741 (340)/1-1/75-  
76—यतः, मुझे, जो० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० 712, एस० पी० 3+4/3 है, जो  
मावधपुर उर्फ छदावाड़, अम्बावाडी के निकट, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-8-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तारक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—66GI/76

1. श्री मुकेशचन्द्र शांतिलाल शाह, नगरणेठ का वंडा,  
पुराने सिविल ग्रास्पताल के पास, अहमदाबाद। (अन्तरक)
2. विशाल को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की  
ओर से—

- (i) श्री शशीकान्त हिमतलाल शेठ, 3, शकुंतला सोसायटी,  
उत्सानपुरा, अहमदाबाद।
- (ii) रतिलाल मंगलदास शेठ, स्वामीनारायण मंदिर चाल,  
स्वामिनारायण मंदिर रोड़, कालुपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 905  
वर्ग गज है और जिसका एफ० पी० नं० 712 एस० पी०  
नं० 3+4/3 टी० पी० एस० 3 है और जो मादलपुर  
उर्फ छदावाड़, अम्बावाडी के निकट स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्रख्युप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-730 (341)/1-1/75-  
76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 623, एस० पी० नं० 7-बी०,  
टी० पी० एस० 3 है, जो कोटारब, एलिसब्रिज, अहमदाबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 13-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृदई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नटवरलाल माणेकलाल चिनाई, बन्वर्ह  
(अन्तरक)

2. (i) श्रीमती इन्द्रमति एन० शेठ, (2) विशाखा ललित  
शाह, एलिसब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वांबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
द्वितीय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 729  
वर्ग गज है तथा जिसका एक० पी० नं० 623,  
एस० पी० नं० 7-बी०, टी० पी० एस० 3 है और  
जिसका पूर्ण विवरण अहमदाबाद सब रजिस्ट्रार द्वारा रजिस्ट्री-  
कृत 13-8-75 वाले विक्री वस्तावेज नं० 11017 में दिया गया  
है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-732 (342)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 2101 है, जो शाहपुर बांड नं० 2, रिलीफ सिनेमा के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) J अधीन 12-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधार्ति:—

1. मै० प्रकाश लैन्ड कॉर्पोरेशन की ओर से श्री महेशकुमार फकीरचंद मेहता जर्मन सिल्वर मार्केट रतन पोल, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. इतोरा कमरियस सेन्टर ओनर्स एसोसिएशन की ओर से, प्रमुख श्री उत्तमचंद चुनीलाल, सदानंद सोसायटी, वासपा, अहमदाबाद। सेक्टरी श्री रणछोड़भाई उत्तमचंद, सारंगपुर, तलियाली पोल, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1285 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 2101 है और जो रिलीफ सिनेमा के पास, शाहपुर बांड नं० 2 में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76  
मोदूर।

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1/750 (331)/1-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 180/2, 181 और 197/1 (भाग) एफ० पी० नं० 264, टी० पी० एस० नं० 19 हैं, जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रंकपीन एन्टरप्राइजिस, मेघद्रूत फ्लैट, आश्रम रोड, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. इशिता को० आपरेटिव हाऊसिंग सो० लिमिटेड, 'जासुद भवन', रिलीफ रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4910 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 180/2, 181, 197/1 (भाग) एफ० पी० नं० 264, टी० पी० एस० नं० 19 है और जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76.

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-863 (344)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 386-ए और 386-बी०-2, एफ० पी० नं० 63, एस० पी० नं० 3, टी० पी० एस० 12 है, जो असाखा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भानुमति नवीनचंद्र पटेल, विद्या नगर, उस्मानपुरा, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. हरिसिंह इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन की ओर से—  
(1) श्री जयन्तीभाई चूनीभाई पटेल  
(2) श्रीमती सूरजबेन चूनीभाई पटेल  
(3) श्रीमती इन्दिराबेन आष्टाभाई पटेल  
(4) श्री नवनीतभाई चुनीलाल पटेल  
(5) श्री किरीट कुमार पुरुषोत्तमदास पटेल, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद विकारिता के अन्तरिती अन्तरितियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका सर्वे नं० 386-ए तथा 386-बी०-2, एफ० पी० नं० 63 टी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो असाखा में स्थित है और जिसकी निम्नलिखित दो बिक्री दस्तावेजों द्वारा बिक्री की गई है:—

नं० दस्तावेज नं०	तारीख एस० पी०	क्षेत्रफल
		नं०

1. 11789	18-8-75	3	2149
2. 11790	18-8-75	5	2149
			4298

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-864 (345)/1-1/

75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 166, टी० पी० एस० 3, है जो गुजरात हाईकोर्ट रोड, मैट्रो कामशियल सेन्टर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों वर्ताति ।—

1. मे० एन० वी० एन्ड कम्पनी, विष्णु भुवन, कड़िया कुई नाका, रिलीफ रोड, अहमदाबाद । (प्रन्तरक)

2. डो० चोइथराम रूपचन्द गांधी, 18, पंचवटी को० आप० हाऊर्सिंग सोसायटी, अंबावाडी, अहमदाबाद । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूष्मी

एक अचल सम्पत्ति जो मैट्रो कामशियल सेन्टर, गुजरात हाईकोर्ट रोड, अहमदाबाद के ग्राउन्ड फ्लोर में एक दुकान है और जिसका धोकाफल 150 वर्ग फुट है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-76

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/फा० नं० 574:—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है, जो रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्वै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्र बागा बाई० पत्नि प्रेम लाल साऊ निवासी कलकेपारा बाई०, रामपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला बाई० पत्नि सुन्दर लाल, निवासी गोल बाजार बाई०, रामपुर। (अन्तरिती)

3. (i) दुखुबासाऊ (ii) श्री जगनमल उत्तम चन्द्र (iii) श्री लाल चन्द्र, उत्तम चन्द्र, निवासी, 12/278 बनजारी चौक, रामपुर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

मकान सम्पत्ति क्रमांक 12/278 क्षेत्रफल—28'×55' बनजारी चौक, रामपुर।

बी० के० सिन्हा,  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27 मार्च, 1976

मोहर :

प्र रूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०० एफबी०/भोपाल 76-77/फा० नं० 595:—अतः, मुझे बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो हिस्तोत्तिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिहोरा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरफों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आव्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात्:—

1. श्रीमती बीना मुखर्जी पति डा० टी० मुखर्जी, अग्रवाल कालोनी, वेस्ट निवासगंज, जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गप्पो बाई पति नाथूलाल अग्रवाल, गांव ताला, पोस्ट खिन्नी, तह० सिहोरा जिला जबलपुर। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान दो मंजिला जिसका क्षेत्रफल  $45' \times 45'$  जो कि गांव हिनोलिया में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० धार्थ० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/फ० नं० 596—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-75

को पूर्वाधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—66GI/76

1. श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व० भगवान्दास जैन, सदर बाजार, जबलपुर। (अन्तरक)
2. श्री इदनदास श्री पुत्र लक्ष्मण दास द्वारा मैसर्स हीरा स्वीटू मार्ट, भरतीपुर वाडे, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याधिकारी करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पुराना मकान जिसका क्षेत्रफल 1324 वर्ग फुट जो कि भरतीपुर जबलपुर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27 मार्च 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० पृष्ठी०/भोपाल 76-77/फ०  
नं० 598—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),  
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 4-12-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक  
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र पुत्र रतन लाल निवासी हुकुम भद्र कालोनी,  
इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलजीत कौर पत्नि सरदार हरचरन सिंह जो  
निवासी 11 प्रधान सिंह की आल अब 121 बैराठी कालोनी नं० 2,  
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 121 बैराठी कालोनी नं० 2, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1976

मोहर :

## प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 27 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०-एक्बी/भोपाल/76-77/फ०  
नं० 597—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० दो प्लाट है, जो बिलासपुर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण  
(अन्तरफों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री द्वारका प्रसाद पुत्र ठाकुरदीन कांची, खापर गंज तेली  
पुर, बिलासपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुरेन्द्र लाल पुत्र जगत सिंह (2) श्री जगत सिंह  
उर्फ जगतराम पुत्र भाग्यमल (3) श्री सुभाष भद्र पुत्र मालिकराम  
(4) श्री अनुप कुमार पुत्र मुन्दी राम (5) श्री रमेश कुमार  
पुत्र श्री ओम प्रकाश (6) श्री राजेश कुमार पुत्र तिलकराज  
(7) श्री राजेश कुमार पुत्र चरनजीत, सभी द्वारा जगत  
मेडिकल स्टोर, गोले बाजार, बिलासपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—पूर्समें प्रयुक्त प्रावृद्धों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषेत  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दो प्लाट जो कि जगतदाल मिल के सामने बिलासपुर में स्थित हैं।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/फा० नं० 615:—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),  
की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन 7-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

परमः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री कमल कुमार पुत्र श्री सूरज मल जी बड़जातिया 14-  
डायमंड कालोनी, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल पुत्र श्री गोपी लाल निमा, 166 जवाहर  
मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त  
अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल हाउस नम्बर 22 पीपली बाजार, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-76

मोहर :

प्र॒रूप आई०टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एडवी०/भोपाल/76-77/फ० नं० 616:—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नजर अली भाई पुत्र भाई भाई भटका वाला बोग निवासी मोहल्ला नया पुरा, बाखल, झन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र राम कोपाल जी गुप्ता, निवासी कोठ करवाडी, माधव नगर प्ली गंज, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्याधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/2254 ब्लाक नं० 131, तुराब मंजिल, हराहरा मैदान, उज्जैन।

वी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 9 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निवास संख्या राज०/सहा० आ०/अर्जन/319:—यह:  
मुझे, सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० म० नं० 32, 39 है तथा जो 7 पी० एस० राय  
सिंह मगर में स्थित है, (और इससे उपावश्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राय  
सिंह नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-व की उप-  
घारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी 6 पी०  
एस० तह० रायसिंहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री पहाड़ा सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिंहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मुख्या नं० 32 व 39 में 12.375 किला क्षुधि भूमि जो  
7 पी० एस० तह० रायसिंहनगर में स्थित है और उप पंजियक,  
रायसिंहनगर द्वारा बुक नं० 1 वाल्यूम 110 पृष्ठ 113 व 114  
कम संख्या 646 पर दिनांक 12-8-75 को पंजिबद्व विक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 7-4-1976

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० आर्जन/320:—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मु० नं० 24, 27, 28, 39, 40 व 68 है तथा  
जो 6 पी० एस० तह० रायसिंह नगर में स्थित है, (और इससे उपा-  
बद्ध ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय रायसिंहनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बातः:—

(1) श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री साम सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिंहनगर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)  
(2) श्री बाबूसिंह पुत्र श्री ताहेल सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिंहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अमुसूची

मुरब्बा नं० 24, 27, 28, 39, 40 व 68 में 15.625 किला  
कृषि भूमि जो 6 पी० एस० तहसील रायसिंह नगर में स्थित है और  
उप पंजीयक, रायसिंहनगर द्वारा बुक नं० 1, आत्मूम 110 पृष्ठ  
115, 116 कम सं० 647 पर पंजिबद्ध दिनांक 12-8-1975  
के विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 7-4-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/321:—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मु० नं० 32, 39 हैं तथा जो पी० एस० रायसिंहनगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रायसिंहनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासितयों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अन्यम विकी भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी 6 पी० एस० तह० रायसिंहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

(2) श्री सरदुल सिंह पुत्र जंग सिंह निवासी 6 पी० एस० तह० रायसिंहनगर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रधानकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मुख्या नं० 32 व 39 में 12.375 किला कृषि भूमि जो 7 पी० एस० तहसील रायसिंहनगर में स्थित है और उप-पंजियक रायसिंहनगर द्वारा नुक नं० 1 वाल्यूम 110 पृष्ठ 117 व 118 क्रम संख्या 648 पर दिनांक 12-8-75 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7 अप्रैल 1976

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन०/322:—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० म० नं० 24, 27, 28, 38, 40 व 68 है तथा  
जो 6 पी० एस० तह० रायसिंहनगर में स्थित है, (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय रायसिंहनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—66GI/76

(1) श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री शामसिंह निवासी 6 पी०  
एस० तह० रायसिंहनगर जिला श्रीगंगानगर। (अन्तरक)

(2) श्री बहाल सिंह पुत्र श्री ठहेल सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह०, रायसिंहनगर जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मुरब्बा नं० 24, 27, 28, 39, 40 व 68 में 15, 625  
किला कृषि भूमि जो 6 पी० एस० तह० रायसिंहनगर में स्थित है  
और उप-पंजियक रायसिंहनगर द्वारा बुक नं० 1, बाल्यम 110  
पृष्ठ 119 व 120 ऋम संख्या 649 पर दिनांक 12-8-1975 को  
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज० सहा० आ०/अर्जन/323—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मू० नं० 24, 27, 28, 39, 40 व 68 है तथा  
जो 6 पी० एस० रायसिहनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय रायसिहनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1975 को  
पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लालसिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिहनगर जिला श्रीगंगानगर। (अन्तरक)  
(2) श्री बहाल सिंह पुत्र टहल सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15. 625 किला कृषि भूमि जो मुरब्बा नं० 24, 27, 28,  
39, 40 व 68 में 6 पी० एस० तहसील रायसिह नगर में स्थित  
है और उप पंजियक, रायसिहनगर द्वारा बुक नं० 1, वाल्यूम नं०  
110 के पूछ संख्या 123 अमांक 651 पर दिनांक 12-8-75  
को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 7-4-1976  
मोहर :

प्रलेप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज०/ सहा० आ०/अर्जन/324—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- हूँ से अधिक है

और जिसकी सं० मु० नं० 31, 14, 34 है तथा जो 7 पी० एस०  
रायसिंहनगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायसिंहनगर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तहसील रायसिंहनगर, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदूल सिंह पुत्र जंगसिंह निवासी 6 पी० एस०  
तहसील रायसिंहनगर, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

12.50 किला कृषि भूमि जो मुरब्बा नं. 31, 14, 34 में  
7 पी० एस० तहसील रायसिंहनगर में स्थित है और उप पंजियक  
रायसिंहनगर द्वारा 12-8-1975 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या  
650 बुक नं० 1, वाल्यूम नं 110 पृष्ठ 121 एवं 122 पर पंजी-  
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-4-76

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्वेश सं० राज सहा० आ० अर्जन/325:—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मु० नं० 24, 27, 28, 39, 40 व 68 है तथा  
जो 6 पी० एस० रायसिहनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी  
के कार्यालय रायसिहनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 12 अगस्त 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी 6 पी० एस०,  
तहसील रायसिहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

(2) श्री बाबू सिंह पुत्र श्री तहील सिंह निवासी 6 पी० एस०  
तहसील रायसिहनगर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

मनुष्याची

15. 625 किला कुषि भूमि जो मुरब्बा नं० 24, 27, 28,  
39, 40 एवं 68 में, 6 पी० एस० तहसील, रायसिहनगर में स्थित  
है और उप पंजियक, रायसिहनगर द्वारा 12-8-1975 को पंजियक  
विक्रय पत्र संख्या 652, बुक नं० 1, वाल्यूम नं० 110 पृष्ठ 125  
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज० सहा० आ० /अर्जन/326:—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मुख्या नं० 37, 83 है तथा जो 7 पी० एस०  
रायसिहनगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रायसिहनगर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 12-8-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ को उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र श्री शामसिंह निवासी 6 पी० एस०  
तह० रायसिहनगर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री पहाड़ा सिंह निवासी 6 पी०  
एस० तह० रायसिहनगर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुख्या नं० 37 एवं 83 में 12.25 किला कृषि भूमि, जो  
7 पी० एस० तह० रायसिहनगर में स्थित है और उप पंजियक,  
रायसिहनगर द्वारा 12-8-1975 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र बुक नं० 1,  
वाल्यूम नं० 110 पेज 127 एवं 128 क्रम० संख्या 653 में अधिक  
विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-4-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० राज/सहा० आ० /अर्जन/327:—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 480 0 वर्ग फीट है तथा जो सांगरिया में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूटी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगरिया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नवल सिंह पुत्र श्री देवसिंह निवासी सांगरिया जिला श्रीगंगानगर।  
(अन्तरक)

(2) श्री शीला देवी पत्नि श्री मदनगोपाल 2, श्रीमति प्रकाश देवी पत्नि श्री बलदेव कुमार 3 श्रीमति शशीकान्ता पत्नि श्री जगन्नाथ निवासी सांगरिया जिला श्रीगंगानगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूटी

एक प्लेट 4800 वर्गफीट का जो बंसल टाकीज के पास, सांगरिया जिला श्रीगंगानगर में स्थित है और उप पंजियक, सांगरिया द्वारा अगस्त, 75 में पंजिबद्ध किया गया है।

सी० एस० जैन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली 1

नई दिल्ली, विनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०/11/1148/76-77:—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिसकी सं० 8/76 है तथा जो गली बन्दूक वाली, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के माध्यम से निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जीत सिंह, सुपुत्र श्री मुन्द्र सिंह, निवासी एच०-3, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल (नाबालिक), सुपुत्र (प्राकृतिक संरक्षक) श्री विलोक चन्द जैन, निवासी 567, कूचा पाती राम, गली लोहारन, बजार सीता राम, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 70 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 8/76 है, गली बन्दूक वाली, अजमेरी गेट, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 8/77-79

पश्चिम —गली

उत्तर—गली

दक्षिण—निगम का खुला मैदाना ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसाफबाली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निरोग सं० ग्राइ० ए० सी०/एक्य०/II/1249/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4138 है तथा जो आर्या पुरा, सद्गी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975

को पूर्वानुसूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जय चन्द, सुपुत्र श्री मेहर चन्द जैन, निवासी 4460, आर्या पुरा, सद्गी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला जैन, पत्नी श्री सुरेश चन्द जैन, निवासी 4107, गली जैन मन्दिर, आर्या पुरा, सद्गी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खण्डहर मकान जोकि 223 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4138 है, आर्या पुरा, सद्गी मण्डी, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	मकान नं० 4139
पश्चिम	:	मकान नं० 4129
उत्तर	:	मकान नं० 4137
दक्षिण	:	मकान नं० 4118

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 अप्रैल, 1976  
मोहर :

प्र रूप आई० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज II, दिल्ली-1  
4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली ।  
नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० [ए० सी०/एक्य०/II/1150/76-77]—  
अतः मझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ-42 का 1/2 भाग है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

13—66GI/76

(1) श्री गुरबच्चन सिंह, सुपुत्र एस० लाभ सिंह, निवासी एस-102, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह, सुपुत्र एस० सोहन सिंह, निवासी 3072/2-1, गली नं० 10, रन्जीत नगर, नई दिल्ली 10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० एफ-42 है, बाली नगर, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	प्लाट नं० एफ-41
पश्चिम	:	रोड
उत्तर	:	गली
दक्षिण	:	रोड 30'

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आई० ए० 'सी०/एक्य०/11/1151/66-77/—

यस: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक-42 का 1/2 भाग है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरवच्चन सिंह, सुपुत्र एस० लाभ सिंह, निवासी एल-102, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह, सुपुत्र एस० सोहन सिंह, निवासी 3072/2-1, गली नं० 10, रन्जीत नगर, नई दिल्ली-10।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० एक-42 है, बाली नगर, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	प्लाट नं० एक-41
पश्चिम	:	रोड
उत्तर	:	गली
दक्षिण	:	रोड 30'

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 5 अप्रैल, 1976  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, ग्रासफल्ली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1152/76-77/—  
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी-48 है तथा जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित  
है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री व्यानन्द, सुपुत्र श्री शीबा मल (2) श्री उमराओ  
सिंह, सुपुत्र श्री जुग लाल, निवासी प्लाट नं० 2, सवान  
पार्क, सज्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह, सुपुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी  
4-डी, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, और  
नं० डी-48 है, सत्यावती नगर, सधोरा कालन गांव के भोज, दिल्ली  
में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	सर्विस लेन
पश्चिम	:	रोड
उत्तर	:	प्लाट नं० डी-47
दक्षिण	:	प्लाट नं० डी-49।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 5 अप्रैल, 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन-रेज II' दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1153/75-76/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 1102, 1103, 1104 है तथा जो इलाका नं० 7, गली समोसन, फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्राम्यकृत में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्टी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के ग्राम्यकृत अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धूश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती महा देवी बनाम् महा देवी, पत्नी श्री भानू राम, निवासी दाऊ बजार, कलाथ मार्किट, दिल्ली 1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फूला बती, पत्नी श्री बानू राम, निवासी 100, गदोदीया मार्किट, खारी बाग्ली, दिल्ली। (अन्तरिती)

1. मै० सूच खांड सोप फैक्टरी
2. मै० लछमत प्रशाद गोबिन्द प्रशाद
3. मै० सतीश चन्द्र सुधीर कुमार
4. श्री मानक चन्द्र
5. श्री मंगल सैन
6. श्री बिहारी लाल
7. श्री बैज नाथ
8. श्री सत्य प्रकाश
9. श्री आस्मा राम
10. श्री प्रशोतम भाई पटेल
11. श्री गोदं दास प्रशोतम भाई पटेल
12. श्री सूरज प्रकाश
13. मै० राम रिश पाल जय गोपाल

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही दर्श द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जोकि 300 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 1102, 1103 तथा 1104 है, इलाका नं० 7 है, गली समोसन, फराश खाना, दिल्ली में है: यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	मकान नं० 1101
पश्चिम	:	गली
उत्तर	:	अन्य मकान
दक्षिण	:	गली।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सकम प्राप्तिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 5 अप्रैल 1976

मोहर:

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज II, दिल्ली-1

4/14क, आसकबली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/११५४/७५-७६/—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पहली तथा दूसरी मंजिल हैं तथा जो 11/914 कूचा काबल अतर चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान दास, सुपुत्र श्री वजीर चन्द, निवासी 11/914, कूचा काबल अतर, चांदनी चौक, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री पिथारे मल डावर, सुपुत्र श्री सोहना मल डावर, निवासी रेलवे स्टेशन के सामने, सूरत (गुजरात)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिलिंग की पहली तथा दूसरी मंजिल जोकि 69 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० 914/11 कूचा काबल अतर, चांदनी चौक, दिल्ली में है। यह बिलिंग निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	रास्ता
पश्चिम	:	जायदाद नं० 11/780
उत्तर	:	जायदाद नं० 11/915
दक्षिण	:	जायदाद नं० 11/913।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेज II दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-I

4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली।

दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/1155/76-77/—

अतः मुझे, एन० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 का 1/4 भाग एच-2/4 का है तथा जो  
माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तारसावी बती, पत्नी श्री ईश्वर दास, निवासी  
सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पारसंराम, सुपूत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-14,  
माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249.31 (कुल क्षेत्रफल 1994.83 वर्ग गज) है और नं० 3, ब्लाक नं० एच-2 है,  
माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	रोड
पश्चिम	:	प्लाट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लाट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली-I

दिनांक: 6 अप्रैल 1976  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेज-II, दिल्ली

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1156/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 का 1/4 भाग एच-2/4 का है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और 'या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती तारसाबी वती, पत्नी श्री ईश्वर दास निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री आशत राम, सुपुत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-14 माडल टाउन, दिल्ली।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिपत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249-31 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 1994. 83 वर्ग गज) है, और नं० 4, ब्लॉक नं० एच-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थिति है :—

पूर्व	:	रोड
पश्चिम	:	प्लाट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लाट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/11/1158/76-77/—

श्रेत्र: मुम्बई, एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एच-2/4 का 1/2 का 1/4 हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेत्र 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

(1) श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दिया राम, सुपुत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249.31 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 1994.83 वर्ग गज) है, और नं० 4, ब्लाक नं० एच-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	रोड़
पश्चिम	:	प्लाट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लाट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

४/१४क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/११५७/७६-७७—  
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 1/2 का 1/4 भाग एच-2/4 का है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति:—

14—66GI/76

(1) श्रीमती, तारसावी वती, पत्नी श्री ईश्वर दास निवासी सी-१४, माडल टाउन दिल्ली -।  
(अन्तरक)

(2) श्री राखी राम, सुपुत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-१४, माडल टाउन दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रधानकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249.31 वर्ग राज (कुल क्षेत्रफल 1994.83 वर्ग राज) है, और नं. 4, ब्लाक नं० एच-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	रोड
पश्चिम	:	प्लाट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लाट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 6 अप्रैल 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1159/76-77/—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एच-2/4 को 1/2 का 1/4 हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याख्यातिक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमार, सुपुत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249.31 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 1994.83 वर्ग गज) है, और नं. 4, ब्लाक नं० एच-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	रोड
पश्चिम	:	प्लाट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लाट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

मिवेश सं० आर० ए० सी० 39/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० दूकान नं० 16 है जो आबीद रोड में स्थित है  
(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित थी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेरसं हिन्दुस्तान विल्डर्स, हैदराबाद (ग्रन्तक)

2. (1) श्री मिरजा हुसैन  
(2) श्रीमती अनिय हुसैन, } 20-3-634/ए, मुसाबाबली,  
हैदराबाद। }  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दूकान नं० 16, युनिटी हाउस के तल मंजले पर, आबीद  
रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-4-1976

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd March 1976

No. A.32014/1/74-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, has been pleased to allow S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram, permanent Personal Assistants (Grade C of CSSS) cadre of UPSC, who were appointed to officiate as Senior Personal Assistants up to 29-2-76 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 17th Jan., 1976, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of one month w.e.f. 1-3-1976 to 31-3-1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy. for Chairman

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL  
INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110003, the 8th April 1976

No. E-28013/6/74-Ad.I.—On his having been prematurely retired from service under FR 56(j) Shri N. C. Chaudhry, Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit HEC Limited, Ranchi, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 3rd March, 1976.

L. S. BISHT  
Inspector General

## (OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA)

New Delhi-110011, the 13th April 1976

No. 10/6/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Chaturvedi, Assistant Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, as Deputy Director (Data Processing) on a regular basis and in a temporary capacity with effect from 24th March 1976 (Forenoon), in the same office.

2. The headquarters of Shri S. N. Chaturvedi continues to be at New Delhi.

The 14th April 1976

No. 11/6/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint S/Shri N. Jogendra Singh, U. S. Varma, C. D. Bhatt and S. L. Bahl as Assistant Directors of Census Operations, in a substantive capacity, with effect from the forenoon of 1st March 1976.

R. B. CHARI,  
Registrar General, India &  
*ex-officio* Joint Secy.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 13th April 1976

No. PF. PD./1/384.—Shri P. P. Sharma, Foreman (Production) is appointed on an *ad hoc* basis to officiate as Assistant Works Manager in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 vide Shri Joy Peter, Assistant Works Manager proceeding on leave for 32 days from 15-4-1976 to 16-5-1976.

R. VISWANATHAN, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

RAJASTHAN

Jaipur, the 5th April 1976

No. Admn. II/G-G-Notification.—The following Section Officers of the Office of the Accountant General, Rajasthan

Jaipur are appointed as officiating Accounts Officers until further orders from the dates noted against each :—

S. No.	Name	Date from which appointed Officiating Accounts Officer.
1.	S/Shri Krishan Mohan Swaroop Bhargava	4-2-76 (F.N.)
2.	Avadh Behari Lal Bhatnagar	11-3-76 (F.N.)
3.	Amar Chand Kala	12-3-76 (F.N.)

Sd. ILLEGIBLE  
Senior Deputy Accountant General/Admin.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR  
THE EXAMINER OF LOCAL ACCOUNTS, BIHAR  
(LOCAL AUDIT WING)

Ranchi, the 13th April 1976

No. L.A.U. & P-Est.I/96.—The Accountant General, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Barindra Nath Raha, a substantive Section Officer (Audit) of Local Audit Wing to officiate as an Asstt. Examiner with effect from 8-4-76 (F.N.) until further orders.

S. T. KENGHE, Examiner  
of Local Accounts, Bihar

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-1, the 14th April 1976

No. 169/A-Admn./130/75-76.—On his superannuation Shri K. L. Kohli, Sub. Audit Officer of the Audit Department, Defence Services, retired from service w.e.f. 31-3-76 (A.N.).

SMT. GIRIJA ESWARAN, Sr. Dy. Director  
of Audit, Defence Services

## MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 9th April 1976

No. 26/G/76.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri D. K. GUPTA, Permt. Foreman—24th November, 1975.

M. P. R. PILLAI, Asstt. Dir. General  
Ordnance Factories

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 14th April 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/884/69-Admn.(G)/2444.—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Krishnamachari relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Madras on the afternoon of the 29th February, 1976.

P. K. KAUL, Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER  
Bombay-400020, the 9th April 1976

No. EST.I-2(394).—The President is pleased to accept the resignation of Dr. M. S. Srinivasan, Director (Economics) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, who was on foreign service with the Asian Development Bank, Manila from 23-9-1968 (Afternoon) to 29-6-1972, with effect from the forenoon of the 30th June, 1972.

No. EST-I-2(521).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th February, 1976 and until further orders Shri S. R. Ray, Assistant Director, Grade I(Costing) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Deputy Director (Costing) in the same office.

The 13th April 1976

No. EST-I-2(655).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th February, 1976 and until further orders Shri J. C. Hansdak, as Deputy Director (Non-Technical) in the office of the Textile Commissioner, Bombay.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner

Bombay-400020, the 25th March 1976

No. 18(1)/73-75/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB-II/B, dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 20(b)(i), for the existing entry in column 2, the following shall be substituted, namely :—

"Joint Director".

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

Bombay-400020, the 13th April 1976

No. EST-I-2(636).—The Textile Commissioner has approved the revision of Shri P. D. Keny, Assistant Director, Gr. II (P & D) as Technical Investigator w.e.f. the forenoon of the 25th February, 1976.

C. R. NEELAKANTAN, Dy. Director

(DEPARTMENT OF EXPLOSIVES)

Nagpur, the 13th April 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7), dated the 11th July, 1969 :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

- (i) in the entry "FORMADYNE" for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted;
- (ii) in the entry "FORMAGEL" for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted.

Under Class 3—Division 1

- (i) in the entry "ALPHAGEX and ALPPAPRUF" for the words and figures "31st March, 1976" the words and figures "30th September, 1976" shall be substituted.

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-700013, the 8th April 1976

No. 40/59/C/19A/2032B.—The ad-hoc appointments of the following officers to the posts of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India are regularised with effect from the dates shown against each until further orders.

1. Shri A. K. Mukherjee—12-12-1975 (F.N.).
2. Shri R. Rajagopalan—12-12-1975 (F.N.).
3. Shri B. Saha—12-12-1975 (F.N.).
4. Shri S. Chakraborty—5-1-1976 (F.N.).

The above officers were holding ad-hoc appointments in the posts of assistant Administrative Officer with effect from the dates noted below :

1. Shri A. K. Mukherjee—11-11-1974.
2. Shri R. Rajagopalan—16-9-1974.
3. Shri B. Saha—13-5-1975.
4. Shri S. Chakraborty—5-5-1975.

No. 2222(BKS)/19A/2065B.—Shri Bijay Kumar Singh, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th March, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Dir. General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th April 1976

*CORRIGENDUM*

No. A-31014/2/75-SVI.—In this Directorate's Notification No. A-31014/2/75-SVI, dated 27-2-76 against S. No. 1 under column 3 please read Administrative Officer (Senior) for Administrative Officer.

R. DEVASAR, Dy. Dir. of Admn.  
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th April 1976

No. 35-4/72-Adm.IPt.II.—On reversion to the Ministry of Education & Social Welfare, Dr. A. B. Biswas relinquished charge of the post of Biochemist in the Department of Sociologist & Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, on the afternoon of the 28th February, 1976.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 14th April 1976

No. 38-12/74-CHS.I.—Consequent on his transfer to Airport Dispensary, Dum Dum in the Airport Health Organisation, Calcutta, Dr. N. C. Barman, an Officer of G.D.O.I. of the C.H.S. has relinquished charge of the post of G.D.O.I. under the C.G.H.S., Delhi w.e.f. the afternoon of the 31st January, 1976.

R. N. TEWARI, Dy. Dir. Adm. (CHS).

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER,  
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 25th March 1976

No. 6-178/76-LTCP.—The Director, Logging Training Centres Project is pleased to appoint Shri K. R. Singh, Extra Asstt. Conservator of Forests of Madhya Pradesh State Forest Department, as Logging Instructor in Logging Training Centre, Dehra Dun (Uttar Pradesh) in a temporary capacity with effect from the 22nd March, 1976 (Forenoon) until further orders.

ROMESH CHANDRA, Chief Executive Officer.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 6th April 1976

No. F.3(13)52/75-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notifications No. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954, and No. 5 dated the 14th January, 1961, I hereby authorise Shri Ganshyam Singh, Dy. Senior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Wool, Bristles and Goat Hair which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking Rules, 1975, Bristles Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973 and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively

and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

J. S. UPPAL, Agricultural Marketing Adviser.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 9th April 1976

No. 5/1/76/Est.II/521.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned persons to officiate as Assistant Personnel Officers in this Research Centre for the periods indicated against each :—

1. Shri Chintamani Vasudeo Pendse—from 23-1-1976 (A.N.) to 24-3-1976 (F.N.).
2. Shri Vadseril Apparampil Vijayan Menon—from 1-3-1976 (F.N.) to 3-4-1976 (A.N.).
3. Shri Chintamani Vishwanath Sahasrabudhe—from 27-1-1976 (F.N.) to 12-3-1976 (A.N.).

No. 5/1/76Est.II/524.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Krishin Sunderdas Vachhani, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 27-1-1976 to 12.3.1976.

No. 5/1/76/Est.II/525.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Ponani Narayana Iyer Krishnamurthy, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 15-1-1976 to 16-2-1976.

S. KRISHNAMURTHY,  
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay 400001, the 20th March 1976

No. DPS/A/11013/3/76/Est.—Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Kuttiyal Parameswaran Sivaraman Pillai, a permanent Upper Division Clerk and officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from the forenoon of February 17, 1976 until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

**DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE SYSTEMS PROJECT**

Peenya-562140, the 19th March 1976

No. 020/3(061)/76—Director, Vikram Sarabhai Space Centre is pleased to appoint on promotion/normalisation the following personnel to the post on the basic pay mentioned against each w.e.f. 1-1-1976 (FN) in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the ISRO Satellite Systems Project of the Indian Space Research Organisation.

Sl. No.	Name	Designation	Basic Pay
S/Shri		Rs.	
1. K. Kanakaraju	Engineer SB	650	
2. N. V. Shiva Prasad	"	650	
3. Narayanaswamy	"	650	
4. G. Parthasarathy	"	650	
5. S. Rajaram	"	650	
6. S. Chandravel	"	650	
7. R. K. Dave	"	650	
8. N. S. Chandrasekhar	"	650	
9. K. Chandrasekar	"	650	
10. V. Sambasiva Rao	"	650	
11. A. R. Chandrasekhar	"	650	
12. M. Sugumar	"	650	
13. S. S. Avalaskar	"	680	

V. V. S. CHOWDARY  
Administrative Officer

**OFFICE OF THE  
DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 3rd April 1976

No. A.32013/9/73-EH.—On the expiry of his period of deputation in the Civil Aviation Department, the services of Air Vice Marshal L.S. Growal, Examiner of Flying, are replaced at the disposal of the Indian Air Force with effect from the forenoon of 1st April, 1976.

T. S. SRINIVASAN, Asstt. Director of Admn.

**OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE**

Bombay, the 6th April 1976

No. 1/104/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Dhawan, Senior Foreman, New Delhi Branch as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch for the period from 9-2-76 to 20-3-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR, Dy. Dir. (Admn.)  
for Director General

Borabay, the 7th April 1976

No. 1/362/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri S. S. Mitra, Officiating Technical Assistant, Calcutta Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 7-11-75 to 7-2-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer.  
for Director General

**FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES**

Dehra Dun, the 24th March 1976

No. 16/246/75-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri T. P. Kaliappan, Range Officer, belonging to Tamil Nadu Forest Department as Assistant Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, with effect from the forenoon of 7th February, 1976.

P. R. K. BHATNAGAR, Registrar,  
Forest Research Institute and Colleges

**BOMBAY CENTRAL EXCISE COLLECTORATE**

Bombay, the 6th March 1976

F. No. II/3E(a)1/76 I.—The following Selection Grade of Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Supdts. of Central Excise, Class II in the Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

Sl. No.	Name	Date of assumption of charge
1. Shri J. E. A. Saldanha	.	2-8-75 (F.N.)
2. Shri Amiruddin Saheb Mohamed	.	1-8-75 (F.N.)
3. Shri D. N. Mulay	.	18-8-75 (F.N.)
3(a). Shri A. V. Naik	.	1-1-76 (F.N.)
4. Shri Sadhu Padmanabhan	.	5-1-76 (F.N.)
5. Shri S. A. Sawant	.	31-1-76 (F.N.)
6. Shri S. A. Surti	.	26-2-76 (F.N.)
7. Shri G. A. Wagle	.	1-3-76 (F.N.)
8. Shri B. T. Rawool	.	12-3-76 (A.N.)

E. R. SRIKANTIA,  
Collector of Central Excise

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS**

Chandigarh, the 10th March 1976

**ESTABLISHMENT**

No. 25.—Shri D. P. Gupta, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB—

35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Gunta assumed the charge of the post of Superintendent of Central Excise (Group B) at Collectorate Hqrs. Office, Chandigarh in the forenoon of 28th February, 1976.

K. K. DWIVEDI, Collector.

**CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS.**

Chittaranjan, the 5th April 1976

No. GMA/GS/8(A/Cs).—Shri A. K. Mitra, offg Senior Accounts Officer (Stores), CLW is confirmed as Asstt. Accounts Officer in Class II service in the cadre of the Accounts Department of this Administration w.c.f. 3rd February 1976.

K. S. RAMASWAMY  
General Manager.

**OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL**

Bombay-20, the 3rd March 1976

No. F-48-Ad(AT)/76.—Shri Y. Balasubramaniam, superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay on ad-hoc basis is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months with effect from 25th March, 1976 (Forenoon) vice Shri T. C. Jain or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President.

**CENTRAL WATER COMMISSION**

New Delhi-22, the 24th March 1976

No. A-12017/6/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. 19012/554/75-Adm.V, dated 5-1-76, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri J. G. Padale, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period from 1-3-76 to 14-11-76 or till such time

Shri Krishna Nand, repatriates to the Commission whichever is earlier.

JASWANT SINGH, Under Secy.  
for Chairman, C.W. Commission.

**OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 1st April 1976

No. 27-E(23)/73-EC.II.—Shri B. G. Choudhury, Executive Engineer (Valuation) Income Tax Department, Patna, on attaining the age of superannuation, has retired from Govt. service on 31-3-76 (AN).

P. S. PARWANI, Dy. Director of Admn.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)**

**COMPANY LAW BOARD**

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

Ahmedabad 380009, the 14th April 1976

Notice under Section 445(2)

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Bharat Benefit Pvt. Ltd.*

No. 1607/Liq.—By an order dated 10-2-76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 58 of 1975, it has been ordered to wind-up M/s. Bharat Benefit Pvt. Ltd.

J. G. GATHA, Registrar of Companies,  
Gujarat

Bangalore, the 7th April 1976

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Canara Farms Private Ltd.*

No. 2350/560/76.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Canara Farms Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

PROBODH, Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

## FORM ITNS

1. Shri Babulal & Vinod Kumar, R/o Gyan Bagh,  
Hyderabad  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC.No. 53/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 15-1-503/B-20 at Siddiembarbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Flat No. 15-1-503/B-20 at Siddiembar Bazar, Hyderabad. on First floor Block. II,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 15-4-1976.

Seal :

**FORM ITNS—**

1. Shri Babulal & Vinod Kumar, R/o Gyan Bagh Colony,  
Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 52/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Flat, 15-1-503/B/18 situated at Siddiembazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 11-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
15—66GI/76

2. Shrimati Gulab Devi, W/o Hanumandas, H. No. 15-2-141 at Mahrajgunj Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : Flat No. 15-1-503/B/18 an First floor Block II, at Siddiembazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
**Competent Authority,**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
HYDERABAD

Date : 15-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

1. Shri Babulal & Vinod Kumar, R/o Gyan Bagh  
Hyderabad,  
(Transferor)
2. Ramakrishna Chit Fund by P/r Smt. Mohini K.  
Devanani, W/o S. Kotumal, H. No. 3-5-170/A at  
Narayanguda, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 51/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat. 15-1-503/B-26  
situated at Siddiembarbazar, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on 11-8-75.

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : On flat No. 15-1-503/B/26 on 1st floor Block-II, Siddiembarbazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

1. Shri Babulal & Vinod Kumar, R/o Gyan Bagh  
Hyderabad,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. NO. 50/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat. 15-1-503/B/22 situated at Siddiembarbazar, Hyderabad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 9-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- 2. Shri Dharam Chand S/o Gulab Chand, H. No. 19-5-2 at Bahadurpura, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : Flat No. 15-1-503/B-22 on First floor Block No. II, Siddiembarbazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
HYDERABAD

Date : 15-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Shri Babul & Vinod Kumar, R/o Gyan Bagh  
Hyderabad,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 4976-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 15-1-503/B/19 situated at Siddiembarbazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

2. Shrimati Sushila Devi, W/o Babulal Jain, 14-2-332/7/A, Gyan Bagh Colony, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Flat No. 15-1-503/B/19 at First Floor Block II, Siddiembar Bazar, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

1. Shri P. Dhamagnani Pandu, through G. P. A. Sri Mohd. Wahiduddin, R/o 11-3-845 at Mallapally Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 54/76-77.— Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-712/126 situated at Punjagutta, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 28-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

2. Shri D. L. Uarasimha Raju, S/o D. Suryanarayana Raju, Superintending Engineer, at Nagarjuna Sagar, Hill Colony, Vijayapuri North, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 6-3-712/126 at Bansilal Bagh at Punjagutta, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
Hyderabad

Date : 15-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Durga Dass Vinaik  
s/o Shri Dhari Mal near Bigli Ghar, Muktsar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1976

Ref. No. FDK/1/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Muktsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Muktsar in August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Dhamala Singh r/o Tibbi Sahib Road, Near Eye Hospital Muktsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1188 of August, 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range  
Amritsar

Date : 7-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kebar Singh s/o  
Shri Sobha Singh r/o Hodla Kalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1976

Ref. No. MNS/3/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Hodla Kalan. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mansa in August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(2) Shri Gurbachan Singh  
s/o Shri Labh Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o  
Shri Gurbachan Singh r/o  
Patiala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]  
(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2328 of August, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 7-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Geja Singh  
s/o Shri Sobha Singh V. Hodla Kalan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1976

- (2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Labh Singh  
Smt. Rajinder Kaur, w/o Shri Gurbachan Singh r/o  
Patiala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. MNS/4/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land situated at V. Hodla Kalan  
(and more fully described in  
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Mansa in August 1975,  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any monies or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2327 of  
August, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chiman Lal s/o  
Shri Nikka Mal r/o Court  
Road, Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Major Shiv Kumar  
Dhawan, Niranjan Dass  
Dhawan S/o Shri Panna Lal Dhawan  
r/o Court Road, Amritsar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 7th April 1976

Ref. No. ASR/7/76/77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land, situated at Scheme No. 62 Improvement Trust, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 324, Scheme No. 62, Improvement Trust, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1448 of August, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely :—

16—66GI/76

Date : 7-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. Baldev Parkash  
s/o Shri Dhani Ram  
Gandhi Chowk,  
Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1976

Ref. No. PHG/10/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half Plot No. 41, situated at Industrial Area, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in August & Nov, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Avtar Singh s/o  
Shri Ganda Singh  
Partner of M/s Janta Metal Works,  
9, Industrial Area, Phagwara,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half Plot No. 41, Industrial Area, Phagwara as mentioned in the Registered Deeds Nos. 1098 of August, 1975 and 1428 of November, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Date : 8-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Baldev Parkash  
s/o Shri Dhani Ram,  
Gandhi Chowk, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jit Singh s/o  
Shri Niranjan Singh  
Partner of M/s J. K. Sangha & Co.,  
Railway Road, Phagwara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PHG/11/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half Plot No. 41, situated at Industrial Area, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August & Nov 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Half plot No. 41 Industrial Area, Phagwara as mentioned in the Registered Deeds Nos. 1099 of August, 1975 and 1427 of November, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Paul s/o Shri Bela Singh of Mahalon Teh. Nawanshahr.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1531.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Mahalon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri Pritam Singh s/o  
Shri Pal Singh of Thatta, Tehsil Sultanpur.  
(Transferee)

(3) at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as registered vide Deed No. 2975/Sept. 1975 of Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-4-1976

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Yashpal Singh S/o  
Shri Karam Singh Jat, Dighan Teh. Garshanker.  
(Transferor)
- (2) Shri Gian Singh, Mehnga Singh  
Sons of Shri Dhani Ram V. Dighan Teh. Garshanker.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1532.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As pre Scheduled situated at Village Dighan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshanker on Aug. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (3) at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as registered vide Deed No. 1662/August, 1975 of S. R. Garshanker.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1533.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Pritam Lal s/o Madho Ram R. O. 499-Mota Singh Nagar, Jullundur GA to Smt. Sukhwant Kaur w/o Dalip Singh Satinder Singh and Satish Singh Sons of Shri Dalip Singh R/o Rajpura Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Bahal wife of Shri Surinder Kumar Bahl, Branch Officer, LIC 70, New Rajinder Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

(3) at S. No. 2. (Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5374/August, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Piara Singh son of  
Shri Inder Singh son of Sh. Hira Singh of Goraya,  
Tebsil Phillaur.  
(Transferor)

(2) M/s. Gurbux Finance Pvt. Limited, Phagwara.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the  
property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1535.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Aug. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2330/August, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Piara Singh S/o  
Shri Inder Singh, Goraya.

(Transferor)

(2) Gurbux Finance Private Limited, Phagwara C/o  
Sadhu Singh, Mg. Director, Phagwara.  
(Transferee)(3) As at S. No. 2,  
(Person in occupation of the property)(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the  
property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1536.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2344/August, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sudhershan Rani w/o  
Sh. Hans Raj S/o Shri Som Nath R/o  
E.J. 35, Kot Pakshian, Jullundur City .  
(Transferor)

(2) M/s P. S. Jain Motors, G. T. Road, Jullundur City.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the  
property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 8th April 1976

Re. No. AP-1537.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—66GJ/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5141/ August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 8-4-1976  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shrimati Sudershan Ranj w/o  
Shri Hans Raj s/o Shri Som Nath, R/o H. No.  
E.J.35, Kot Pakshan, Jullundur City.  
(Transferor)
- (2) M/s P. S. Jain Motors, G. T. Road, Jullundur City.  
(Transferee)
- (3) As at S No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR**

Jullundur, the 8th April 1976

**Re. No. AP-1538.**—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5187/ August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kesho Dass s/o  
Shri Joti Ram R/o Bullowal, Tehsil, Jullundur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Re. No. AP-1539.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Bullowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Tarsem Singh, Baldev Singh  
Ss/o Shri Atma Singh R/o Bullowal.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5129/ August, 1975 of S. R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Keshav Dass Mathur s/o  
Shri Joti Ram, Village Bullowal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1540.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Bullowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Amrik Singh & Satnam Singh S/o  
Shri Atma Singh, Village Bullowal, Tehsil, Jullundur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5130/ August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Udhamp Singh s/o  
Shri Puran Singh s/o Shri Punjab Singh R/o  
Village Warayana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1541.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullndur on August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Gurcharan Kumar,  
Pardeep Kumar & Jatinder Kumar sons of  
Shri Jagdish Chander s/o Shri Jiwan Dass,  
47, Vijya Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the Property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5236/August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Udhamp Singh S/o  
Shri Puran Singh Village Warayana Tehsil and  
District Jullundur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) S/Shri Gurbachan Kumar, Pradeep Kumar,  
Jatinder Kumar s/o Sh. Jagdish Chander,  
47, Vijya Nagar, Jullundur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1542.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Warayana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(2) Ramniklal Talakshi Doshi & Others.  
Transferee)

(3) Occupants.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5333/August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

**Ref. No. AP-1543.**—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bir Inder Singh s/o  
Shri Charanjit Singh, Basti Bawa Khel, Jullundur.  
(Transferor)

(2) M/s. Mahey Lands, Adda Hoshiarpur,  
Jullundur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 4911/August, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sarwan Singh s/o  
Shri Kishan Singh s/o Shri Hazara Singh  
R/o Village Atta, Tehsil Phillaur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Balwant Singh s/o  
Shri Mahinder Singh s/o Sh. Chittar Singh  
R/o Village Atta, Tehsil Phillaur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any body interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 8th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1544.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Atta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on August 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2463/August, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sarwan Singh s/o  
Shri Krishan Singh R/o Village Atta,  
Tehsil Phillaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1545.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. As per Schedule situated at Village Atta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957

(2) Shri Mohan Singh s/o  
Shri Sadhu, Singh R/o Goraya

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2481/August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18—66GI/76

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Sarwan Singh s/o  
Shri Krishan Singh R/o V. Atta, Tehsil Phillaur,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shrimati Mohan Kaur w/o  
Shri Mohan Singh R/o Goraya, Tehsil Phillaur  
through Shri Sadhu Singh

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 8th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2354/August, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Sarwan Singh s/o  
Shri Krishan Singh R/o Atta, Tehsil Phillaur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shri Surinder Jit Singh s/o  
Shri Sadhu Singh R/o Goraya, Teh. Phillaur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

- (4) Any body interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 8th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1547.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Atta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2440/August, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**RAVINDER KUMAR**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 8th April 1976

Ref. No. AP-1548.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Atta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Phillaur on August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sarwan Singh s/o Shri Krishan Singh R/o Atta, Tehsil Phillaur.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Sumitra Devi w/o Shri Sadhu Singh through Shri Sadhu Singh R/O Goraya, Tehsil Phillaur.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2355/ August, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 8-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Yash Pal Joshi s/o  
Shri Hans Raj and S/Sh. Ramesh Kumar, Janak Raj,  
Surinder Kumar and Raj Kumar Ss/o Sh. Yash Pal,  
147-A, Green Park, Jullundur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Gurdeep Kaur w/o Shri Piara Singh  
S/Shri Paramjit Singh, Manjit Singh & Mohan Singh  
Sons of Shri Piara Singh through Sh. Surinder Singh  
Kothi No. 147-A, Green Park Colony, Jullundur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE JULIUNDUR

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

Jullundur, the 9th April 1976

(4) Any body Interested in the Property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the  
properly)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1549.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5369/ September, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1976

Ref. No. AP-1550.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Yash Pal Joshi s/o Sh. Hans Raj and S/Sh. Ramesh Kumar, Janak Raj, Surinder Kumar, and Rai Kumar Sons of Sh. Yash Pal, 147-A, Green Park, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdeep Kaur w/o Shri Piara Singh 2. Sh. Paramjit Singh s/o Piara Singh 3. Sh. Manjit Singh s/o Piara Singh 4. Sh. Mohan Singh s/o Shri Piara Singh through Shri Surinder Singh, Kotbi No. 147-A, Green Park Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the Property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registration Deed No.5448/ September, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1976

Ref. No. AP-1551.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on September, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Yash Pal Joshi s/o Shri Hans Raj and S/Sh. Ramesh Kumar, Janak Raj, Surinder Kumar and Raj Kumar Sons of Sh. Yash Pal, 147-A, Green Park, Jullundur.

(Transferor)

(2) Mrs. Gurdeep Kaur w/o Shri Piara Singh, 2. Sh. Paramjit Singh s/o Piara Singh 3. Sh. Manjit Singh s/o Piara Singh 4. Sh. Mohan Singh s/o Shri Piara Singh through Shri Surinder Singh, Kotbi No. 147-A, Green Park Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registration Deed No. 5449/September, 1975. of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range Jullundur

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1976

Ref. No. AP-1552.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Yash Pal Joshi s/o Sr. Hans Raj and S/Sh. Ramesh Kumar, Janak Raj, Surinder Kumar and Raj Kumar Sons of Sh. Yash Pal, 147-A, Green Park, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdeep Kaur w/o Shri Piara Singh 2, Sh. Paramjit Singh s/o Shri Piara Singh, 3. Sh. Manjit Singh s/o Shri Piara Singh, 4. Sh. Mohan Singh s/o Shri Piara Singh through Shri Surinder Singh, Kotbi No. 147-A, Green Park Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any body Interested in the Property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

/EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5447/ September, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Thakor Somaji Maganji,  
Vejalpur, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Satyanarain Co. through  
1. Ranchhodhbhai Jivabhai,  
2. Mahasukhbhai Ishwarbhai,  
Vejalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-746(283)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 477, situated at Village Vejalpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 28-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

19—66GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 7700 sq. yards bearing Survey No. 477, situated at Village Vejalpur, near Jivraj Park, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 9-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Natraj Industries,  
Care M/s. Asarwa Bobbin Works,  
Asarwa, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1976

Ref. No. Acq.23-L-748(284)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 333-334/1,  
situated at village Asarwa, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 12-8-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Tajawala & Co.,  
Lati Bazar, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 8349 sq. yards bearing Survey No. 333-334/1, T.P.S. No. 12, and situated at village Asarwa, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 9-3-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Manorath Chhotalal Shah,  
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Babubhai Manilal Shah,  
2. Kanchanben Somchand,  
19, Satyam Society, Bahai Centre,  
Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-766(285)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 381, T.P.S. No. 10, F.P. No. 91, situated at Rakhiyal, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-8-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 1879 sq. yards bearing Survey No. 381, Final Plot No. 91, T.P.S. No. 10, and situated at Rakhiyal, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 9-3-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 9th March 1976

Ref. No. Acq.23-I-767(286)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 148 & 149, Sub-Plot No. 4, F.P. No. 5, situated at Dariyapur Kajipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Air Control Chemicals Engg. Co. Ltd, through Chairman, Shri Surendra Maganlal Mehta, Mehta Mansion, Near Gam Dairy, Bombay-7.

(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder Ghamiram as Trustee of Manav Seva Sangh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 2219 sq. yards bearing Survey No. 148, 149, Sub-Plot No. 4, Final Plot No. 5, T.P.S. No. 8, and situated at Dariyapur Kajipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sidharthbhai Kasturbhai,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th March 1976

Ref. No. Acq.23-I-768(288)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 41, Sub-Plot No. 1 T.P.S. No. 8 situated at Dariyapur-Kanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) For & on behalf of Manoj Apartment Co-op.  
Housing Society,

1. Shri Maganbhai Narsibhai Patel,  
2. Shri Prahladbhai Chhaganbhai Patel,  
Umia Nagar Society, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1089 sq. yards and bearing Final Plot No. 41, Sub-Plot No. 1, T.P.S. No. 8 and situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Vimlaben Sidharthbhai,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th March 1976

Ref. No. Acq.23-I-768(289)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 41, Sub-Plot No. 2 T.P.S. 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (2) For & on behalf of Manoj Apartment Co-op. Housing Society,
  - 1. Shri Maganbhai Narsibhai Patel,
  - 2. Shri Prahladbhai Chhaganbhai Patel, Umia Nagar Society, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1089 sq. yards and bearing Final Plot No. 41, Sub-Plot No. 2, T.P.S. No. 8 and situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Raanchhodlal Dahyabhai Sutaria.  
 2. Shardaben Ranchhodlal Dahyabhai Sutaria  
 3. Mayur Ranchhodlal Dahyabhai Sutaria  
 Shahibaug, Camp Road, Ahmedabad-4.  
 (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th March 1976

Ref. No. Acq.23-I-745(290)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 4, T.P.S. No. 8 situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the o/cce of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Krishnachandra Natwarlal Mistri, Marchi Pole, Jamalpur, Ahmedabad.  
 2. Dahyabhai Ishwarbhai Patel, For & on behalf of Shri Shahibaug Mahavir Flats. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 2290 sq. yards bearing Final Plot No. 40, T.P. Scheme No. 8 and situated at Dariapur Kazipur, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-J,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th March 1976

Ref No. Acq.23-I-731(291)/I-1/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. 100, T.P.S. No. 12 F.P. No. 182, S.P. No. 2 situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nagindas Purshotamdas Dudhia, Sankri Sheri, Opp. Bobadia Vaidni Khadki, Raipur, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) For & on behalf of Deepak Park Co-op. Housing Society Ltd., 3-21, Vishnunagar, Saraspur, Ahmedabad.  
1. S/Shri Shankarhai Ambaram Patel (Chairman)  
2. Amritlal Nahtalal Patel (Secretary)  
3. Nanalal Premjibhai Vyas (Member).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 3299 sq. metres or 3945 sq. yards bearing Final Plot No. 182, Sub-Plot No. 2, T.P.S. No. 12, situated behind Bhid Bhanjan Hanuman Temple, Bapunagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar,  
Madhuwan, near Defnala, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-942(312)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, F.P. No. 269-A, AP.10 of T.P.S. No. 14 situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-8-1975, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

20—66GI/76

(2) Shri Girishchandra Nagindas,  
B.B.S. Roller Flour Mills,  
Out-side Prem Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 10 of T.P. Scheme No. 14 admeasuring 297 sq. yards situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the scale deed No. 12147 dated 20-8-1975.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar,  
Madhuvan, near Desnala, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-943(313)/1-1/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, F.P. No. 269-A, SP No. 9 of T.P.S. No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Shri Bhanuprasad Nagindas,  
C/o B. B. S. Roller Flour Mills,  
Out-side Prem Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 9-T. P. Scheme No. 14, admeasuring 297 sq. yards situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12148 dated 20-8-1975,

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-3-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-944(314)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 209, 209-1, 209-2, F.P. No. 269-A, SP No. 8 of T.P.S. No. 14 situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar, Madhuvan, near Defnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Naranbhai Nagindas, B.B.S. Roller Flour Mills, Out-side Prem Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 8 of T.P. Scheme No. 14 admeasuring 294 sq. yds. situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12146 dated 20-8-1975.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar,  
Madhuvan, near Defnala, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Balchandra Baldevprasad Mishra,  
Kalupur, Doshiwani Pole, Mamani Pole,  
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref. No. Acq. 23-I-945(315)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.  
KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value ex-  
ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Survey No. 209, 209-1, 209-2, F.P. No. 269, S.P. No. 2  
T.P.S. No. 14  
situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Ahmedabad on 26-8-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

An immovable property bearing Survey No. 209, 209-1,  
209-2, Final Plot No. 269-A Sub-Plot No. 2 of T. P.  
Scheme No. 14 admeasuring 616 sq. yards situated at  
Dariyapur-Kazipur, Shalibaug, Ahmedabad and as fully  
described in the sale deed No. 12698 dated 26-8-1975.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar,  
Madhuvan, Near Defnala, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-946(316)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 209, 209/1, 209/2 F.P. No. 269A, S.P. No. 1 T.P.S. No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 ((16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad, on 25-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

An open plot of land bearing Survey No. 209, 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 1 of T. P. Scheme No. 14, admeasuring 405 sq. yards situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No 12524 dated 25-8-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-764(320)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 336/2 situated at Ghatlodia Village, Sub-District Ahmedabad-City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Surajben wd/o Maganbhai Venidas,  
2. Shantaben Maganbhai Patel  
resident of village Ghatlodia, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) New Umiya Vijay Co-op. Housing Society Ltd.,  
through—  
Chairman: Shri Hasmukhbhai Kantilal Patel,  
Secretary: Shri Maheshbhai Chhaganbhai Patel.  
Office: Out-side Shahpur Gate, above the Post Office, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2 Acres, 35 Gunthas bearing Survey No. 336 2, situated in village Ghatlodia, Sub-District Ahmedabad-city.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Manjiriben Sarvottambhai Hathising,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th April 1976

Ref. No. Acq.23-I-957(322)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 410-A-2 Part & 411, F.P. No. 47, S.P. No. 1-B of T.P.S. No. 12 situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shri H. L. Parikh (Chairman) for & on behalf of Anar Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad. (Transferee)
- (3) 1. Ashni Construction Co. through its Partner : Shri Himatilal Kalidas,  
2. Deepak Sarvottam Hathising,  
3. Janak Sarvottam Hathising,  
4. Gulabben Sarvottam Hathising.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

An open plot of land admeasuring 4282 sq. yards bearing S. Nos. 410-A-2 and 411, Final Plot No. 47, Sub-Plot No. 1-B of I.P.S. No. 12 and situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14-4-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sanhitaben Sarvottambhai Hathisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-958(323)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 410-A-2 Part & 411 Part, F.P. No. 47, S.P. No. 1-A, T.P.S. No. 12 situated at Asarwa, (Naroda Road), Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sanhitaben Sarvottambhai Hathisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Shri H. L. Parikh (Chairman) for & on behalf of Anar Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.  
(Transferee)
- (3) 1. Ashni Construction Co. through its Partner : Shri Himatlal Kalidas Shah,  
2. Deepak Sarvottam bhai Hathisingh,  
3. Janak Sarvottambhai Hathisingh,  
4. Gulabben Sarvottam bhai Hathisingh.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 4282 sq. yards bearing S. No. 410-A-2 Part and 411 Part, Final Plot No. 47, Sub-Plot No. 1-A of T.P.S. No. 12 situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Gulabben Sarvottambhai Hathisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-951(324)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 410-A-2 Part & 411 Part, F.P. No. 47, Part, S.P. No. 1-C, T.P.S. No. 12 situated at Asarwa, (Naroda Road), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—  
21—66GI/76

- (2) Shri H. L. Parikh (Chairman) for & on behalf of Anar Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.  
(Transferee)
- (3) 1. Ashni Construction Co. firm through Partner : Himatilal Kalidas Shah, A'bad.  
2. Deepak Sarvottambhai Hathisingh,  
3. Janak Sarvottambhai Hathisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing Survey No. 410/A/2 Part & 411 Part, Final Plot No. 47, Sub-Plot No. 1-C, T.P.S. No. 12, admeasuring 7239 sq. yds. and situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 14-4-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Satish Chandra Ramniklal Kothari,  
Near Bal Hanuman, Pushkarnani Pole,  
Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Modern Plastic Industries,  
Prop. Shri Chandulal Khushaldas Soni,  
Near Sarangpur, Ranchhodjina Pole,  
Ahmedabad.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Modern Trading Co.  
2. M/s. Bharat Stores,  
3. M/s. Harjivan Thakkar.

[Person in occupation of the property]

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 14th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-740(325)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 99 situated at Khadia Ward No. 3, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad in August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 73 sq. yds. bearing City Survey No. 99, and situated at Khadia Ward-3, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-I-960(326)/1-1/75-76.—Whereas, I. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 4225, Sub-Plot Nos. 1 & 3 situated at Shahpur Ward No. II, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 25-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vasumati Charity Trust through trustees.

- (1) Smt. Indumatiben Chimanlal,
- (2) Smt. Gajiben Jivanlal, Borsali, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Borsali Apartments Co-operative Housing Society Ltd., through Chairman, Shri Prabodh Hiralal Patel 28/2, Patel Nagar Society, Asarwa, Ahmedabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 2904 sq. yards bearing Survey No. 4225, Sub-Plot Nos. 1 & 3, and situated at Shahpur Ward-II, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Zarinaben Naushir Khambatta, Hansole Village,  
Camp Ahmedabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-I-961(327)/1-1/75-76.—Whereas, I. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 181, Sub-Plot Nos. 2 and 5 TPS 15, situated at Vadej, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Sorabji Apartment Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Netaji Jamnadas, Maninagar, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 975 sq. yards and transferred vide two documents as per details given below :—

S. No.	Document No. & Date	Description of Property	Area involved
1.	11741/18-8-1975	Final Plot No. 181 Sub-Plot No. 2, TPS 15, Vadej, Ahmedabad.	532 sq. Yds
2.	11752, 18-8-1975	F. P. No. 181, Sub-Plot No. 5, TPS 15, Vadej, Ahmedabad.	443 sq. Yds
		Total	975 sq.yds

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-I-962(328)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.P.S. No. 28 situated as Vadej, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Somabhai Mohanlal Patel,  
(2) Smt Jadiben Somabhai,  
(3) Bhogilal Somabhai Patel. For self and as guardian of Minor sons, Sunil Bhogilal, Jitendra Bhogilal & Manish Bhogilal,  
(4) Kalavati Bhogilal Patel,  
(5) Ramanlal Somabhai Patel for self and as guardian of minor son, Paresh Ramanlal.  
(6) Madhukanta Ramanlal,  
(7) Bharat Somabhai,  
(8) Hansaben Bharatbhai,  
(9) Rainikant Somabhai—residing at Nava-Vadej, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Vishwa Vijay Co-op. Housing Society Ltd., through : Chairman, Shri Manubhai Mulchandbhai Patel, Secretary, Shri Manilal Tribhuvandas Patel, 14, Tara Kunj, Nava-Vadej, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property bearing Survey No. 318, Final Plot No. 14-2, Sub-Plot No. 7, T.P.S. No. 28, admeasuring 613 sq. yards and situated at Vadej, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Patel Gopaldas Vanmalidas,  
 (2) Patel Punjabhai Vanmalidas, Residing at Village  
 Agol, Taluka Kadi, Distt. Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Ranchhbhai Ambalal, 474, Parabdivas, Nava-  
 Vadei, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq. 23-I-963(329)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 318, Sub-Plot No. 4, TPS No. 28, situated at Vadei, Ahmedabad.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

An open plot of land admeasuring 660 sq. yards bearing Survey No. 318, Sub-Plot No. 4, T.P.S. No. 28, and situated at Vadei, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-I-964(330)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 181, S.P. No. 4 & 7 T.P.S. No. 15 situated at Vadej, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 18-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gospa Parwaz Daroga, Sorabji Compound, Vadej, Ahmedabad-13.  
(Transferor)  
(2) Sorabji Apartment Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Netaji Jamnadas, Maninagar, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XIXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 918 sq. yards and transferred vide two documents as per details given below :—

S. No.	Document No.	Description of Property	Area involved
1.	11744	Final Plot No. 181, Sub-Plot No. 4, T.P. S 15, Vadej, Ahmedabad.	473 sq. Yds.
2.	11754	Final Plot No. 181, Sub Plot No. 7, TPS No. 15, Vadej Ahmedabad.	445 sq. Yds.
			918 sq. yds.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Khorshad Jehangir Dubash, Sorabji Compound, Vadej, Ahmedabad-13.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-L-965(331)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 181, Sub-Plot No. 3 & 8, TPS No. 15, situated at Vadej, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sorabji Apartment Co-op Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Netaji Jamnadas, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land admeasuring in all 943 sq. yards and transferred vide two documents as per details given below :—

S. No.	Document No.	Description of Property	Area involved
1.	11742	F. P. No. 181, Sub-Plot No. 3, T. P. S. No. 15, Vadej, Ahmedabad.	443 sq. yds.
2.	11755	F. P. 181, Sub-Plot No. 8, T.P.S. No. 15, Vadej, Ahmedabad.	500 sq. yds.
			943 sq. yds.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-4-76

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Rajooiben Rustom Dalal, 'Sun Beam', Mirzapur Road, Ahmedabad-1.  
(Transferor)
- (2) Sarobji Apartment Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Netaji Jamandas. Maninagar, Ahmedabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th April 1976

No. Acq. 23-I-966(332)/I-1/75-76.—Whereas, I. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 181, Sub-Plot Nos. 1 and 6, TPS 15, situated at Vadaj, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
22—66GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 969 sq. yards and transferred vide two documents as per details given below :—

Sl. No.	Document No.	Description of Property	Area involved
1	2	3	4
1.	11743	Final Plot No. 181, 485 sq. yds. Sub-Plot No. 1, T. P. S. 15, Vadaj, Ahmedabad.	
2.	11753	Final Plt No. 181, 484 sq. yds. Sub-plot No. 6, T. P. S. 15, Vadaj, Ahmedabad.	
		Total	969 sq. yds.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 15-4-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Priyamvada K. Nagarsheth, Nagarsheth Vando, Old Civil Hospital, Gheekanta, Ahmedabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-771(333)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1683 (Part) situated at Shahpur Ward-2, Near Nagarsheth Vando, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Kalyanbhai Purshottamdas Fadi,
- (2) Shri Atmaram Bhogilal Sutaria,
- (3) Shri Lalbhai Girdharlal Dalal,
- (4) Shri Jayantilal Atmaram Shah,
- (5) Shri Jayantilal Bhogilal Shah,
- (6) Shri Sumatilal Chhotajal Shah,
- (7) Shri Rasiklal Mohanlal Shah,
- (8) Shri Bharatkumar Chandulal Shah,

For & on behalf of M/s. Shanti Commercial Centre, 39, Sanjiv Baug, Nava-Shardamandir Road, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property bearing Survey No. 1683 (Part) situated at Shahpur Ward No. 2, Near Nagarsheth Vando, Ahmedabad with land admeasuring 1020 sq. yards and fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 11988, dated 19-8-1975.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-76

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-967(334)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 100, TPS 3, situated at Shaikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) For and on behalf of Vijay Corporation Partners :—

- A-I (1) Laxmilal Nathalal Somani for self and as power of attorney holder of—  
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,  
 (3) Manubhai Jindas Mehta,  
 (4) Prabodhchandra Nathalal,  
 (5) Padmaben Ratilal,  
 (6) Kalavati Bhogilal Mehta,  
 (7) Asuthosh Vimalshankar Shastri,  
 (8) Janakbhai Ghelabhai Shah,

- (9) Sudhirkumar Shantilal Mehta,  
 (10) Babubhai Bhogilal,  
 (11) Dilipkumar Chandulal Patel,  
 (12) Padma Kundanlal Shah,  
 Chhotalal Chawl, Outside Delhi Darwaja, Ahmedabad.

- B-I (1) Ashokkumar Shantilal for self and as power of attorney holder of—  
 (2) Hasmukhlal Chunilal Mehta,  
 (3) Manubhai Jindas Mehta,  
 (4) Prabodhchandra Nathalal,  
 (5) Kalavati Bhogilal,  
 (6) Asuthosh Vimalshankar Shastri,  
 (7) Janakkumar Ghelabhai Shah,  
 (8) Sudhirkumar Shantilal Mchta,  
 (9) Babubhai Bhogilal,  
 (10) Padmaben Ratilal,  
 (11) Dilipkumar Chandulal Patel,  
 (12) Padma Kundanlal Shah,  
 Gian deep Society, Dhumketu, Marg. Paldi, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Jatanben Kalidas,  
 (2) Kiranchandra Kanubhai Chawdhary,  
 (3) Minor Ashokkumar Revandas Chawdhary, guardian Shri Kanubhai Revandas Chawdhary, Village Banva Unava, Distt. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One shop on ground floor of the Ajanta Commercial Centre, bearing Final Plot No. 100, TPS No. 3 and situated at Shaikhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-76

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Bhudaji Bhaiji, Vejalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-968(335)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 1332 and 1333, situated at Vejalpur, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-8-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Apexa Co-op. Housing Society Ltd., through Shri Patel Jayantilal Hirabhai, 19-2, outside Shahpur Gate, Near Post Office, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land admeasuring in all 3-20 Acres i.e. 16940 sq. yards bearing S. Nos. 1332 & 1333, situated at Vejalpur and registered under two different sale deeds the particulars of which are as under :—

Sl. No.	Survey No.	Regn. No./Date	Area involved
1	2	3	4
(1)	1332	11962/19-8-1975	1 Acre 30 Gun.
(2)	1333	11956/19-8-1975	1 Acre 30 Gun.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-76

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Savitaben widow of Pranjiwandas Nagori, Near Meharashtra Society, Ellis Bridge, Ahmedabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Jalbindu Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Ghanshyambhai Mafatlal Patel, Maninagar, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-761(336)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 193, S.P. No. 5, situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property bearing Survey No. 193, Sub-Plot No. 5, standing on a land admeasuring 1922 sq. yards situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Panachand Mangaldas Family Trust, 183, New Cloth Market, Ahmedabad-2.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aspiaf Textiles Mills, 5, Panchayat Bhavan, Ahmedabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-862(337)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 380/1, Sub-Plot No. 4 F.P. No. 93 of TPS 10, situated at Rakhial, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 12-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open land bearing Sub-Plot No. 4 of Survey No. 380/1, F.P. No. 93 of TPS No. 10, measuring 1825 sq. yards or thereabouts and undivided 163.1/3 sq. yards of land of road, situated at Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-4-76  
Seal

## FORM ITNS

(1) Smt. Ranjanben widow of Harshadrai Pranjivandas, Near Maharashtra Society, Ellis Bridge, Ahmedabad. (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-762(338)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 193, Sub-Plot No. 6 situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Jalbindu Co-op. Housing Society, Ltd., through its Chairman, Shri Ghanshyam Mafatlal Patel, Maninagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property bearing S. No. 193, Sub-Plot No. 6, standing on land admeasuring 4259 sq. yards situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Ruxamani Dhirajlal Mithani, Rajkot,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harishchandra Vrojilal Jivarajani Panchnath Plot, Rajkot.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

No. Acq. 23-I-690(339)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 891-673, Part, situated at Panchnath Plot, Sheri No. 10/2, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Rajkot on 19-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 152.80 sq. yards bearing Survey No. 891-673 Part, situated at Panchnath Plot, Sheri No. 10/2, Rajkot.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-76

Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Mukeshchandra Shantilal Shah, Nagarshethna Vando, Near Old Civil Hospital, Ahmedabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-74(340)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 712, S.P. No. 3+4/3 situated at Madalpur alias Chhadawad, Near Ambawadi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Vishal Co-op. Housing Society Ltd., through—  
(1) Shri Shashikant Himatilal Shah, 3, Shankuntala Society, Usmanpura, Ahmedabad-13.  
(2) Shri Ratilal Mangaldas Shah, Swaminarayana Mandir Chali, Swami Narayana Road, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 905 sq. yards bearing Final Plot No. 712, Sub-Plot No. 3+4/3 of TPS No. 3, Situated at Madalpur alias Chhadawad, Near Ambawadi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—66GI/76

Date : 17-4-76

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Natwarlal Maneklal Chinai,  
Bombay.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Smt. Indumati N. Sheth,  
(2) Vishakha Lalit Shah,  
Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-730(341)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 623, S.P. No. 7-B of TPS 3 situated at Kochrab Ellis Bridge, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-8-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 729 sq. yards bearing Final Plot No. 623, Sub-plot No. 7-B of T.P.S. No. 3, situated at Kochrab, Ellis Bridge, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 11017 dated 13-8-1975, registered by the Sub-Registrar, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date : 17-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Prakash Land Corporation through  
Shri Mahesh Kumar Faqirchand Mehta,  
German Silver Market, Ratanpole,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ellore Commercial Centre Owner's Association  
through its Chairman :  
Shri Uttamchand Chunilal, Sadanand Society  
Vasana, Ahmedabad,  
and its Secretary :  
Shri Ranchhodhbhai Nanjibhai, Sarangpur Taliani-  
pole, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-732 (342)/1-1/75-76.—Whereas, I J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 2101, situated at Shahpur Ward-2, Near Relief Cinema, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1285 sq. yards bearing City Survey No. 2101 and situated Near Relief Cinema, Shahpur Ward No. 2, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Rankween Enterprise,  
Meghadoot Flats, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

Ret. No. Acq. 23-I-750 (343)/1-1/75.76.—Whereas, I. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 180/2, 181 and 197/1 (Part), F.P. 264, TPS 19 situated at Navrangpura, Ahmedabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Ishita Co-op. Housing Soc. Ltd., 'Jasood Bhavan', Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 4910 sq. yards bearing Survey No. 180/2, 181 & 197/1 (Part), Final Plot No. 264, IPS No. 19, situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17.4.1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bhanumati Navinchandra Patel,  
Vidyanagar, Usmanpura,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOMETAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-863 (344)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 386-A and 386-B-2, F.P. No. 63 S.P. No. 3 of TPS 12 situated at Asarwa, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Harjsidh Industrial Corporation,  
through partners :—  
1. Shri Jayantibhai Chunibhai Patel,  
2. Smt. Surajben Chunibhai Patel,  
3. Smt. Indiraben Dahyabhai Patel,  
4. Shri Narinitbhai Chaunilal Patel (Karta of HUF)  
5. Shri Kiritkumar Puroshottamdas Patel,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land, bearing Survey No. 386-A and 186-B-2, Final Plot No. 63, T.P. Scheme No. 12 and situated at Asarwa and transferred vide two sale documents the particulars of which are as under :—

Sl. No.	Regn. No.	Date	Sub- Plot No.	Area involved
1.	11789	18-8-1975	3	2149 sq. yards
2.	11790	18-8-1975	5	2149 sq. yards.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. En Vee & Co., Vishnu Bhavan,  
Kadia Kui Naya,  
Relief Road,  
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380003, the 17th April 1976

(2) Dr. Choithram Rup Chand Gandhi,  
18, Panchvati Co-op. Housing Society Ltd.,  
Ambawadi, Ahmedabad-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property consisting of a shop on the ground floor, admeasuring 150 sq. ft. situated in Metro Commercial Centre, at Gujarat High Court Road, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17.4.1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Chandra Bhaga Bai W/o Premalal Sao R/o  
Kelkerpara Ward, Raipur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Bai W/o Sunderlal Sahu, R/o Gole  
Banjari Chouk, Raipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHOPAL.

(3) 1. Shri Dukhuwa Sao, 2. Shri Jagannal Uttamchand,  
3. Shri Lalchand Uttamchand all R/o 12/278  
Banjari Chouk, Raipur.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76/594.—Whereas, I, V. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
House property No. 12/278 area 28' × 55'. Banzari Chouk,  
Raipur situated at Raipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Raipur on 5-8-75  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEMEL

House property No. 12/278 area 28' × 55', Banzari Chouk,  
Raipur.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Bina Mukherjee, W/o Dr. T. Mukherjee, Agtarwal Colony, West Niwadganj, Jabalpur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ghappobai W/o Shri Nathulal Agrawal, Village, Tala, Post Khinni, Tehsil Sihora, Distt. Jabalpur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76/595.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house double storeyed in the area of 45' × 45' in a village Hinantia situated at Hinantia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sihora on 27-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

One house double storeyed in the Area of 45' × 45' in a Village Hinantia.

V. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th March 1976

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/F. No. 596.—Whereas, I, V. K. Sinha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

An old house having built up area of 1324 sq. ft. at Bhartipur Ward, Jabalpur, situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 19-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—66GI/76

- (1) Shri Mahendra Kumar Jain S/o late Bhagwandas Jain, Sadar Bazar, Jabalpur.  
(Transferor)  
(2) Shri Idandas S/o Shri Laxmandas C/o M/s. Heera Sweet Mart, Bhartipur, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An old house having built up area of 1324 sq. ft. at Bhartipur Ward, Jabalpur.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dwaraka Prasad S/o Thakurdin Kachi, Khaparganj, Telipara, Bilaspur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

- (2) 1. Shri Surinderlal S/o Jagatsingh,  
2. Shri Jagatsingh alias Jagat Ram S/o Baghayamal,  
3. Shri Subashchand S/o Malikram,  
4. Shri Anup Kumar S/o Munshiram (Minor),  
5. Shri Ramesh Kumar S/o Om Prakash,  
6. Shri Rajeshkumar (Minor) S/o Charanjit,  
7. Shri Rajesh Kumar (Minor) S/o Tilakraj,  
C/o Jagat Medical Stores, Cole Bazar, Bilaspur.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 27th March 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76/F. No. 397.—Whereas, I V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Two plots in Khaparganj area in front of Jagat Dal Mills, Bilaspur situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 15-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two plots in Khaparganj area in front of Jagat Dal Mills, Bilaspur.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Rameshchandra S/o Ratanlal R/o Hukumchand Colony, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kamaljit Kaur W/o Sardar Harcharansinghji, R/o 11 Pradhansingh-ki-chal, Now at 121 Bairathi Colony No. 2, Indore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th March 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76/F. No. 598.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 121 Bairathi Colony No. 2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 121, Bairathi Colony, No. 2, Indore.

V. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Kamlakumar S/o Surajmalji Badjatiya, 14,  
Diamond Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Shri Gopilal Neema, 166, Jawahar  
Marg, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/615.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal House No. 22, Pipli Bazar, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitate the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 22, Pipli Bazar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nazar Ali Bhai S/o Mohd. Ali Bhai Melkawala Bhora, R/o Mohalla Naya Pura, Bakahal, Ujjain.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 9th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76/616.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 6/2254, Terab Manzil, Dashera Maidan, Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on 23-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6/2254, Block No. 131, Turab Manjil, Dashera Maidan, Ujjain.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Harnick Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/319.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Murba No. 32 & 39 situated at 7 P.S. Raisinghnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (2) Shri Sohansingh S/o Shri Pahada Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

12.375 Killas of Agricultural land in Murabba Nos. 32 & 39 situated at 7 P.S. Tehsil Rasinghnagar more fully described in conveyance deed registered on 12.8.75 at book no. 1 volume 110, pages 113 and 114 at S.No. 646 by Sub-Registrar, Raisinghnagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Harnek Singh S/o Shri Sham Singh Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Srigananagar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babu Singh S/o Shri Tahel Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Srigananagar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(ACQ)/320.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 P.S. Teh. Raisinghnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15.625 Killas of Agricultural land in Murbba No. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 P. S. Tehsil Raisinghnagar, more-fully described in conveyance deed registered on 12.8.1975 at book No. 1, volume 110, pages 115 and 116 at S. No. 647 by sub-Registrar.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harnek Singh S/o Shri Sham Singh Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/321.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Murbba No. 32 & 39, situated at 7 P.S. Raisinghnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Sardul Singh S/o Shri Jang Singh, Resident of 6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12.375 Killas of Agricultural land in Murbba Nos. 32 and 39 situated at 7 P.S. Tehsil Raisinghnagar, more fully described in conveyance deed registered on 12.8.75 at book No. 1 volume 110, pages 117 and 118 at S.No. 648 by Sub-Registrar Raisinghnagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Harnek Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bahal Singh S/o Shri Tahel Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/322.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M.No. 24, 27, 28, 38, 40 & 68 situated at 6 P.S. Teh. Raisinghnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

25—66G1/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.625 Killas of Agricultural land in Murba No. 23, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 P.S. Tehsil Raisinghnagar more fully described in conveyance deed registered on 12.8.75 at book No. 1 volume 110 pages 119 and 120 at S. No. 649 by Sub-Registrar, Raisinghnagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Lal Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of  
6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar, Distt. Srigananagar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bahal Singh S/o Shri Tahal Singh Resident of  
6 P.S. Tehsil Ralsingh Nagar, Distt. Srigananagar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/323.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.No. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 PS. Teh. Raisingh-nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15.625 Killas of Agricultural land in Murba No. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar morefully described in conveyance deed registered on 12.8.75 at Book No. 1 volume 100 page 123 at S. No. 651 by sub-Registrar, Raisinghnagar.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Lal Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of 6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar, Distt. Srigananagar. (Transferor)

(2) Shri Sardul Singh S/o Shri Jang Singh Resident of 6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar, Distt. Srigananagar. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/324.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M.No. 31, 14, 34 situated at 7 P.S. Teh. Raisinghnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12.8.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12.50 Killas of Agricultural land in Murba Nos. 31, 14, 34, situated at 7 P.S. Tehsil Raisinghnagar more fully described in conveyance deed registered on 12.8.1975 at Book No. 1 volume No. 110, page 121 and 122 at S.No. 650 by Sub-Registrar Raisinghnagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/325.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. M.No. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 situated at 6 P.S. Teh. Raisinghnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of 6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar. (Transferor)

(2) Shri Babu Singh S/o Shri Taher Singh Resident of 6 P.S. Tehsil Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

15.625 Killas of Agricultural land in Murba Nos. 24, 27, 28, 39, 40 & 68 and situated at 6 P.S. Tehsil Raisinghnagar more fully described in conveyance deed registered on 12-8-75 at book No. 1 volume No. 110, page 125 at S.No. 632 by sub-registrar, Raisinghnagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Lal Singh S/o Shri Sham Singh, Resident of 6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar, Distt. Srigananagar, (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/326.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murba No. 37, 83 situated at 7 P.S. Teh. Raisinghnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 12-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Sohan Singh S/o Shri Pahada Singh, Resident of 6 P.S. Tehsil Raisingh Nagar, Distt. Srigananagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12.25 Killas of Agricultural land in Murba Nos. 37 & 83 situated at 7 P.S. Tehsil Raisinghnagar more fully described in conveyance deed registered on 12.8.75 at book No. 1, volume 110 pages 127 and 128 at serial No. 653 by sub-registerar, Raisinghnagar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nawal Singh S/o Shri Dev Singh, Resident of Sangaria, Distt. Srigananagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/458 /327.—Whereas, I, C. S. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot 4800 Sq. ft, situated at Sangaria, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sangaria on August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Sheelat Devi W/o Shri Madan Gopal, (ii) Smt. Prakash Devi W/o Shri Baldev Kumar, (iii) Smt. Shashi Kanta W/o Shri Jagannath, Resident of Sangaria Distt. Srigananagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

One Plot of land measuring 4800 Sq. feet, situated near Bansal Talkies at Sangaria District Srigananagar, registered by S. R. Sangaria in August 1975.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7.4.1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1148/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

VIII/76 situated at Gali Bandook Wali, Ajmera Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jit Singh s/o Sh. Sunder Singh r/o H-3, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar Agarwal (minor) under the natural guardianship of his father Shri Trilok Chand Jain r/o 567, Kucha Pati Ram Gali Loharan Bazar, Sita Ram, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storied house constructed on a plot of land measuring 70 sq. yds situated at No. VIII/76, Gali Bandook Wali, Ajmere Gate, Delhi and bounded as under :—

North : Gali.

South : Open ground of Corporation

East : House No. VIII/77-79

West : Gali.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 6 April 1976  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Jai Chand s/o Shri Mehar Chand Jain  
r/o 4460, Arva Pura, Subzi Mandi,  
Delhi

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1149/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4138 situated at Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Bimla Jain w/o Shri Suresh Chand Jain  
r/o 4107 Gali Jain Mandir, Arya Pura,  
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A delapidated house constructed on a plot of land measuring 223 sq. yds. situated at No. 4138 Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :—

North : House No. 4137  
South : House No. 4118  
East : House No. 4139  
West : House No. 4129

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5th April, 1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/1150/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of F-42 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—  
26—66GI/76

(1) Shri Gurbachan Singh s/o L. Labh Singh  
r/o L-102 Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o S. Sohan Singh  
H. No. 3072/2-I Gali No. 10 Ranjit Nagar,  
New Delhi-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. bearing no. F-42 Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali  
South : Road  
East : Plot No. 41-F  
West : Road

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5th April, 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFAU ROAD, NEW DELHI-I (110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/76-77/1151.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of F-42, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o L. Labh Singh  
r/o L-102, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o S. Sohan Singh  
r/o 3072/2-1 Gali No. 10 Ranjit Nagar,  
New Delhi-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. F-42 Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : 'Gali'  
South : Road 30'  
East : Plot No. 41-F  
West : Road

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5th April, 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1152/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-48 situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Daya Nand s/o Shri Shiba Mal  
2. Shri Umrao Singh s/o Shri Jug Lal  
r/o Plot No. 92 Sawan Park,  
Subzi Mandi, Delhi.  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh s/o Shri Bhagwan Singh  
r/o 4-D, Rana Pratap Bagh,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 150 sq. vds. bearing No. D-48 Satyawati Nagar, area of Village Sahdora Kalan, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 47-D  
East : Service Lane  
South : Plot No. 49-D  
West : Road

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5th April, 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref No. IAC/Acq.II/1153/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1102, 1103 and 1104 situated at Illaqa No. 7, Gali Samosan, Frash Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maha Devi alias Maha Dei  
w/o Shri Bhanu Ram  
r/o 100 Gaododia Market, Khari Baoli,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Phoola Vati w/o Shri Babu Ram  
r/o 100 Gaododia Market, Khari Baoli,  
Delhi.

(Transferee)

- (3) List of Tenants :
1. M/s. Such Khand Soap Factory
  2. M/s. Lachhman Parshad Govind Parshad
  3. M/s. Satish Chand Sudhir Kumar
  4. Shri Manak Chand
  5. Shri Mangal Sen
  6. Shri Behari Lal
  7. Shri Baij Nath
  8. Shri Satya Parkash
  9. Shri Atma Ram
  10. Shri Parshotam Bhai Patel
  11. Shri Gordhan Dass Parshotam Bhai Patel
  12. Shri Surai Parkash
  13. M/s. Ram Rish Pal Jai Gopal.
- [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storeyed house constructed on a plot of land measuring 300 sq. yds. situated at No. 1102, 1103 and 1104 in Illaqa No. 7 Gali Samosan, Frash Khana, Delhi and bounded as under :—

North : Others house  
East : House No. 1101  
South : Gali  
West : Gali

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5th April, 1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1154/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

First and second floor of situated at II/914 Kucha Kabal Attar Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Wazir Chand r/o II/914 Kucha Kabal Attar, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Piyara Lal Damer  
s/o Shri Sohan Mal Damer  
r/o Opp. Railway Station,  
Surat (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

First and second floor of a 2½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 69 sq. yds. situated at 914/II Kucha Kabal Attar, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. II/915  
East : Passage  
South : Property No. II/913  
West : Property No. II/780

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 6-4-1976

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Smt. Tarsavi Wati w/o Shri Ishwar Dass r/o C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1155/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) Shri Pars Ram s/o Sh. Ishwar Dass r/o C-14, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 4 Block H-2, Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total area of the plot is 1994.83 sq. yds. and bounded as under :—

East : Road  
West : Plot No. H-2/3.  
North : Plot No. H-3/11.  
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Tarsavi Wati w/o Shri Ishwar Dass r/o C-14,  
Model Town, Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anant Ram s/o Shri Iswar Dass r/o C-14, Model  
Town, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1156/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4 Block -II-2/Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total area of the plot is 1994.83 sq. yds.

and bounded as under :—

East : Road.  
West : Plot No. H-2/3.  
North : Plot No. H-3/11.  
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Tarsavi Wati w/o Shri Ishwar Dass r/o C-14,  
Model Town, Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakhi Ram s/o Shri Ishwar Dass r/o C-14,  
Model Town, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1157/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4/Block H-2 Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total area of the plot is 1994.83 sq. yds. and bounded as under :—

East : Road.  
West : Plot No. H-2/3.  
North : Plot No. H-3/11.  
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ishwar Dass s/o Shri Harnam Dass r/o C-14,  
Model Town, Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

(2) Shri Dia Ram s/o Shri Ishwar Dass r/o C-14, Model

Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.H/1158/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4/Block H-2 Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total of the plot is 1994.83 sq. yds. and bounded as under :—

East : Road.  
North : Plot No. H-3/11.  
West : Plot No. H-2/3.  
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass r/o C-14,  
Model Town, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kumar s/o Shri Ishwar Dass r/o C-14, Model  
Town, Delhi.  
(Transferee).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1159/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi, in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice/on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 4 Block H-2 Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total area of the plot is 1994.83 sq. yds. and bounded as under :—

East : Road.  
North : Plot No. H-3/11.  
West : Plot No. H-2/3.  
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Hindustan Builders, Abid Road, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Sri Mirza Husain, and Smt. Atiya Husain, H. No. 20-3-634/A Musa Bouji, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 5th April 1976

Ref No. RAC. No. 39/76-77. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop. No. 16 situated at Abid Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Shop. No. 16 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date: 5-4-1976

Seal :

